वर्ष : 33 ▸ अंक : 98 ▸ पृष्ठ : 8 ▸ मुंबई, सोमवार, 24 जून, 2024 ▸ RNI: MAHHIN/49994/91 ▸ मूल्य : 3 रुपए ▸ epaper.dobajedopahar.com ▸ संपादक : अरुण लाल

मुंबई, नवी मुंबई, ठाणे, पालघर, रायगढ़, नासिक, पुणे से एक साथ प्रकाशित

दो बजे दोपहर

पत्रकारिता पावर नहीं रिस्पांसिबिलिटी है

अरुणाचल में बादल फटा

लैंडस्लाइड-बाढ़ से असम में 4 लाख लोग प्रभावित, 37 की मौत

एजेंसी । नई दिल्ली

अरुणाचल प्रदेश की राजधानी ईटानगर में रविवार सुबह 10.30 बजे बादल फटने से बाढ़ जैसे हालात बन गए। अधिकारियों ने बताया कि कई जगहों पर लैंड स्लाइड हुआ। लोगों को वहां न जाने की सलाह दी गई है। वहीं, नेशनल हाइवे-415 पर जलभराव होने से कई वाहन फंसे हुए हैं। उधर, असम में करीब एक हफ्ते से बारिश हो रही है। सरकार के अधिकारियों ने 22 जून को बताया कि बाढ़ से 19 जिलों में करीब 4 लाख लोग प्रभावित हैं। इस साल बाढ़ और लैंडस्लाइड से मरने वालों का आंकड़ा 37 हो गया है। बाढ़ प्रभावित लोगों के लिए सरकार ने 100 रिलीफ कैंप लगाए हैं। राहत सामग्री देने के लिए 125 सेंटर बनाए हैं।

11 राज्यों में भारी बारिश की चेतावनी जारी

मौसम विभाग (IMD) ने रविवार को मध्य प्रदेश समेत 11 राज्यों में भारी बारिश की चेतावनी जारी की है। इनमें मध्य प्रदेश का मालवा इलाके के अलावा गोवा, कर्नाटक, महाराष्ट्र, केरल, तमिलनाडु, नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम, त्रिपुरा और पश्चिम बंगाल शामिल हैं। गृह मंत्री अमित शाह ने मानसून के दौरान देश के विभिन्न हिस्सों में आने वाली बाढ़ से निपटने की तैयारियों की समीक्षा के लिए बैठक की। इसमें गृह, जल संसाधन, नदी विकास, पृथ्वी विज्ञान, पर्यावरण, सड़क परिवहन मंत्रालयों और विभागों के सचिव, रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष, NDMA के अधिकारी शामिल हुए।

मानसून 3 जुलाई तक दिल्ली-पंजाब को कवर करेगा

22 जून तक मानसून महाराष्ट्र, बिहार, झारखंड, गुजरात-महाराष्ट्र के कुछ हिस्से, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, ओडिशा और पश्चिम बंगाल पहुंच चुका है। 3-4 दिन में इन राज्यों को पूरी तरह कवर कर लेगा। 27 जून तक मानसून दिल्ली, पंजाब और हरियाणा में एंट्री ले सकता है और 3 जुलाई तक इन राज्यों को पूरी तरह कवर करके आगे बढ़ेगा। मानसून के साथ ही कुछ राज्यों में तेज गर्मी का दौर भी जारी है। हरियाणा और उत्तर प्रदेश में आज और कल लू चलने की संभावना है। पंजाब और दिल्ली में कल से 25 जून तक हीटवेव का अलर्ट है।

मानसून कहां-कहां पहुंचा?

दक्षिण-पश्चिम मानसून निकोबार में 19 मई को पहुंच गया था। केरल में इस बार दो दिन पहले, यानी 30 मई को, ही मानसून पहुंच गया था और कई राज्यों को कवर भी कर गया। फिर 12 से 18 जून तक (6 दिन) मानसून रुका रहा। इसके चलते उत्तर भारत में हीटवेव चल रही है। मानसून 12 जून तक केरल, कर्नाटक, गोवा, आंध्र प्रदेश और तेलंगाना को पूरी तरह कवर कर चुका था। साथ ही दक्षिण महाराष्ट्र के ज्यादातर हिस्सों, दक्षिणी छत्तीसगढ़ के कुछ हिस्सों, दक्षिणी ओडिशा, उपहिमालयी पश्चिम बंगाल, सिक्किम और सभी पश्चिमोत्तर राज्यों में पहुंच गया था। 18 जून तक मानसून गुजरात के नवसारी, महाराष्ट्र के जलगांव, अमरावती, चंद्रपुर, छत्तीसगढ़ के बीजापुर, सुकमा, ओडिशा के मलकानगिरी और आंध्र प्रदेश के विजयनगरम तक पहुंचा था। मौसम विभाग का अनुमान है कि जून में मानसून सामान्य से कम यानी 92% लंबी अवधि के औसत (LPA) से कम रहेगा। हेल्थ मिनिस्ट्री के मुताबिक, 1 मार्च से 18 जून तक करीब 41 हजार से ज्यादा हीटस्ट्रोक के केसेज रिकॉर्ड किए गए। वहीं, हीटवेव से 114 लोगों की मौत हुई है।

NEET-UG में गड़बड़ी

CBI ने पहली FIR दर्ज की

- जांच के लिए दो टीम पटना-गोधरा जाएंगी
- ग्रेस मार्क्स वाले 1563 छात्रों की परीक्षा खत्म

एजेंसी । नई दिल्ली

NEET-UG एग्जाम में हुई गड़बड़ियों को लेकर एजुकेशन मिनिस्ट्री की शिकायत पर रविवार को CBI ने पहली FIR दर्ज की। मिनिस्ट्री से मिले कुछ रेफरेंस के आधार पर अनजान लोगों के खिलाफ IPC के सेक्शन 120-B (क्रिमिनल कॉन्स्पिरेसी) और 420 (चीटिंग) समेत कई धाराओं में FIR दर्ज की गई। जांच के लिए CBI ने दो स्पेशल टीम बनाई हैं, जो पटना और गोधरा जाएंगी। केंद्र सरकार ने 22 जून की रात जांच की जिम्मेदारी CBI को सौंपी थी। इससे पहले सरकार ने शनिवार रात 9 बजे NTA (नेशनल टेस्टिंग एजेंसी) के डायरेक्टर जनरल सुबोध कुमार सिंह को हटा दिया था। उनकी जगह प्रदीप सिंह खरोला को नया डीजी नियुक्त किया गया।

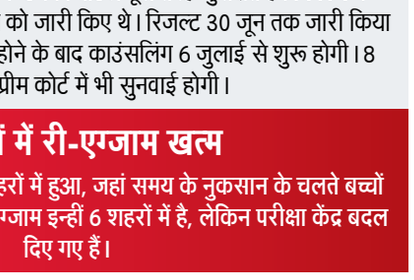

रविवार को रीएग्जाम हुआ

वहीं, 5 मई को हुई NEET परीक्षा के रिजल्ट में ग्रेस मार्क्स पाने वाले 1563 कैंडिडेट्स के लिए रविवार को रीएग्जाम हुआ। एग्जाम दोपहर 2 बजे से शाम 5 :20 बजे के बीच शेड्यूल किया गया था। कई छात्र परीक्षा में शामिल नहीं हुए। चंडीगढ़ में सिर्फ दो कैंडिडेट्स के लिए एग्जाम सेंटर बनाया गया, दोनों ही नहीं पहुंचे। इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (IMA) ने NEET UG परीक्षा विवादों के संबंध में एक्शन लेने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह, स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा और शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को धन्यवाद दिया।

शिक्षा मंत्रालय को दिया धन्यवाद

इसके अलावा, IMA ने NEET UG परीक्षा में अनियमितताओं की जांच को CBI को सौंपने और NTA के डायरेक्टर जनरल को हटाने के लिए शिक्षा मंत्रालय को भी धन्यवाद दिया है। उधर, NTA की वेबसाइट हैक होने की अफवाह भी सामने आई। इस पर एक अधिकारी ने कहा कि उनका पोर्टल पूरी तरह सुरक्षित है। NTA ने रीएग्जाम के एडमिट कार्ड 20 जून को जारी किए थे। रिजल्ट 30 जून तक जारी किया जाएगा। संशोधित रिजल्ट जारी होने के बाद काउंसलिंग 6 जुलाई से शुरू होगी। 8 जुलाई को सुप्रीम कोर्ट में भी सुनवाई होगी।

6 शहरों में री-एग्जाम खत्म

NEET री-एग्जाम उन छह शहरों में हुआ, जहां समय के नुकसान के चलते बच्चों को ग्रेस मार्क्स दिए गए थे। री-एग्जाम इन्हीं 6 शहरों में है, लेकिन परीक्षा केंद्र बदल दिए गए हैं।

न्यूज़ ब्रीफ

मजबूत विपक्ष के साथ आज से शुरू होगा संसद का सत्र

नई दिल्ली। 18वीं लोकसभा का पहला संसद सत्र आज से शुरू होने जा रहा हैं। जो कि 3 जुलाई तक चलने वाला है। इस बार का सदन में अलग माहौल दिखेगा। एक दशक बाद संसद में मजबूत विपक्ष नजर आने वाला है। ऐसे में पक्ष और विपक्ष के बीच जबरदस्त मुकाबला देखने को मिल सकता है। मोदी सरकार 3.0 का पहला सदन सुचारू रूप से चला पाना आसान नहीं रहने वाला है। सरकार की ओर से लोकसभा स्पीकर का चुनाव और सदस्यों के शपथ ग्रहण पर चर्चा करने की संभावना है। वहीं विपक्ष कई मुद्दों पर सरकार को घेर सकती है। देश में चल रहे पेपर लीक का मामला सदन में बवाल मचा सकता है। इसके अलावा कल 11 बजे प्रोटेम स्पीकर भर्तृहरि महताब राष्ट्रपति भवन में स्पीकर पद की शपथ लेने वाले हैं। इस मुद्दे पर भी हंगामा होने की संभावना है।

बसपा सुप्रीमो मायावती ने लौटाईं आकाश आनंद की शक्तियां

लखनऊ। लोकसभा चुनाव 2024 के बाद सभी राजनीतिक दल अपने प्रदर्शन की समीक्षा कर रहे हैं। इसी कड़ी में उत्तर प्रदेश की सियासत में अर्श से फर्श पर पहुंच चुकी बसपा ने भी रविवार को एक समीक्षा बैठक की। बैठक से जो सबसे दिलचस्प बात निकलकर सामने आई वो यह कि मायावती ने आकाश आनंद की सारी शक्तियां वापस दे दी हैं। लोकसभा चुनाव के दौरान बसपा सुप्रीमो मायावती ने भतीजे आकाश को जमीन पर पटक दिया था। लेकिन रविवार को हुई बैठक में एक बार फिर से भतीजे आकाश आनंद को राष्ट्रीय संयोजक की जिम्मेदारी सौंप दी है। इतना ही नहीं उन्हें एक बार फिर से उत्तराधिकारी भी घोषित कर दिया गया है। जिसके बाद से सियासी हल्कों में क्या आकाश आनंद दो महीने से भी कम समय में परिपक्व हो गए हैं?

▸ पेज 6 भी देखें

हिमाचल में उपचुनाव पर तेज हुई सियासत

शिमला। हिमाचल प्रदेश में राज्यसभा चुनाव के दौरान बीजेपी-कांग्रेस के बीच शुरू हुआ आरोप प्रत्यारोप का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। राज्यसभा चुनाव के बाद लोकसभा चुनाव भी बीत चुके हैं। अब तीन सीटों पर उपचुनाव को लेकर रार मची हुई है। वहीं, बयानबाजियों का दौर भी लगातार जारी है। अब एक बार फिर बीजेपी अध्यक्ष ने सीएम सुक्खू पर बड़ा आरोप लगाया है। हिमाचल प्रदेश के बीजेपी अध्यक्ष राजीव बिंदल ने रविवार को सीएम सुखविंदर सिंह सुक्खू पर करारा हमला बोला। बिंदल ने कहा कि मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू का बयान अलोकतांत्रिक है। इतना ही नहीं उन्होंने शब्दों और धार देते हुए कहा कि ये बयान हिमाचल प्रदेश को अराजकता की तरफ ले जाने वाला है।

छत्तीसगढ़ में नक्सलियों ने IED ब्लास्ट से पुलिस ट्रक उड़ाया

2 जवान शहीद, 6 माह में 7 की शहादत

एजेंसी । नई दिल्ली

सुकमा छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले में रविवार को नक्सलियों ने एक ट्रक को 'परिष्कृत विस्फोटक यंत्र' से उड़ा दिया, जिसमें केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल की विशेष इकाई 'कोबरा' के दो जवान शहीद हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि यह विस्फोट राज्य की राजधानी रायपुर से 400 किलोमीटर दूर सुरक्षा बलों के सिलगेर और टेकलगुडेम शिविरों के बीच टिम्मापुरम गांव के पास दोपहर करीब तीन बजे किया गया। उन्होंने बताया कि 'कमांडो बटालियन फॉर रेजोल्यूट एक्शन' की 201वीं इकाई के एक अग्रिम दल ने टेकलगुडेम की ओर सड़क सुरक्षा ड्यूटी के तहत जगरगुंडा पुलिस थाने की सीमा के अंतर्गत सिलगेर शिविर से गश्त शुरू की थी।

ट्रक-मोटरसाइकिल पर सवार थे सुरक्षाकर्मी

उन्होंने बताया कि सुरक्षाकर्मी एक ट्रक और मोटरसाइकिल पर सवार थे। उन्होंने बताया कि नक्सलियों ने ट्रक को निशाना बनाकर आईईडी धमाका किया, जिसमें कांस्टेबल शैलेंद्र (29) और वाहन चालक विष्णु आर (35) की जान चली गई। अधिकारी ने बताया कि धमाके की सूचना मिलने के बाद अतिरिक्त सुरक्षा बल मौके पर पहुंच गए हैं तथा शवों को जंगल से बाहर निकाला जा रहा है। उन्होंने बताया कि इलाके में तलाशी अभियान जारी है।

तमिलनाडु जहरीली शराब केस में 56 मौतें

भाजपा बोली- ये हत्या, कांग्रेस-DMK चुप क्यों हैं?

एजेंसी । नई दिल्ली

तमिलनाडु के कल्लाकुरिची जिले में जहरीली शराब से मरने वालों की संख्या रविवार को 56 हो गई। आज जारी हुई जिला प्रशासन की रिपोर्ट के मुताबिक कुल 216 लोगों को चार अलग-अलग अस्पतालों में भर्ती कराया गया था। सबसे ज्यादा मौतें कल्लाकुरिची मेडिकल कॉलेज में हुईं, जहां 31 लोग मारे गए और 108 लोगों का इलाज जारी है। पुडुचेरी के जवाहरलाल इंस्टीट्यूट ऑफ पोस्टग्रेजुएट मेडिकल एजुकेशन एंड रिसर्च (JIPMER) में 17 मरीजों का इलाज चल रहा। 3 की मौत हो गई है। विलुपुरम मेडिकल कॉलेज में भर्ती 4 लोगों की मौत हो चुकी है। अन्य 4 का इलाज जारी है। सलेम मेडिकल कॉलेज में 30 लोगों का इलाज जारी है, यहां 18 लोगों की जान गई है। मरने वालों में 51 पुरुष हैं। वहीं, भाजपा प्रवक्ता और पुरी से सांसद संबित पात्रा ने रविवार को कहा कि तमिलनाडु के करुणापुरम गांव में जहरीली शराब के कारण घटी त्रासदी बेहद दुखद है। यहां अनुसूचित जाति के लोग ज्यादा रहते हैं। 56 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है और कई की हालत गंभीर है। कांग्रेस पार्टी और उसके गठबंधन के नेता इस मुद्दे पर चुप क्यों हैं?

राज्य सरकार के विरोध में भाजपा का प्रदर्शन

वहीं, राज्य में भाजपा कार्यकर्ताओं ने शनिवार को कल्लाकुरिची शराब त्रासदी को लेकर विरोध प्रदर्शन किया। राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग के निदेशक एस रविवर्मन ने शनिवार को कल्लाकुरिची सरकारी अस्पताल का दौरा किया। इधर, तमिलनाडु सरकार ने त्रासदी की न्यायिक जांच के आदेश दिए हैं। जांच का नेतृत्व मद्रास उच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीश न्यायमूर्ति बी गोकुलदास करेंगे। न्यायमूर्ति गोकुलदास तीन महीने के भीतर रिपोर्ट सौंपेंगे। तमिलनाडु के CM एमके स्टालिन ने मृतकों के परिजनों को 10 लाख रुपए और अस्पताल में भर्ती लोगों को 50 हजार के मुआवजे की घोषणा की है। तमिलनाडु पुलिस की CB-CID जांच सौंपी गई है। SP शांताराम के नेतृत्व में यह जांच शुरू हो गई है। कल्लाकुरिची कलेक्टर के अनुसार शराब त्रासदी में 7 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पड़ोसी राज्य तमिलनाडु की घटना को ध्यान में रखते हुए केरल सरकार के आबकारी मंत्री एमबी राजेश ने शनिवार को अधिकारियों की इमरजेंसी मीटिंग बुलाई। उन्होंने अधिकारियों को नकली शराब बनाने और बेचे जाने की जांच के आदेश दिए। उन्होंने पूरे राज्य में सघन चैकिंग और छापेमारी तेज करने का निर्देश दिया।

पूर्वोत्तर में बनाने होंगे 50 बड़े तालाब, ब्रह्मपुत्र नदी के पानी को मोड़ना जरूरी : अमित शाह

दोपहर संवाददाता । नई दिल्ली

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मॉनसून के दौरान देश के विभिन्न हिस्सों में बाढ़ आने की स्थिति में उससे निपटने की तैयारियों की रविवार को समीक्षा की। इस दौरान शाह ने कहा कि जो नदियां बारहमासी नहीं हैं, उनमें मिट्टी का कटाव अधिक होता है और गाद जमना बाढ़ का कारण बन जाता है। उन्होंने निर्देश दिया कि नदियों के जलस्तर के पूर्वानुमान को अपग्रेड कर बाढ़ की समस्या को कम करने के प्रयास हों। बाढ़ की स्थिति में जलजमाव से निपटने के लिए सड़क निर्माण के डिजाइन में ही प्राकृतिक जलनिकासी को शामिल किया जाना चाहिए। शाह ने कहा कि पूर्वोत्तर में कम से कम 50 बड़े तालाब बनाकर ब्रह्मपुत्र नदी के पानी को मोड़ने की व्यवस्था होनी चाहिए जिससे बाढ़ से निजात मिले और कृषि, सिंचाई व पर्यटन विकसित हों। उन्होंने कहा कि इससे स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी फायदा मिलेगा। अमित शाह ने पिछले साल लिए गए निर्णयों पर हुई कार्रवाई की समीक्षा की।

भले बिजली, सड़क न हो, लेकिन फिर भी अल्पसंख्यक कांग्रेस को देते हैं वोट : हिमंत

एजेंसी । गुवाहाटी

असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने मुसलमानों के खिलाफ एक बार फिर जहर उगला है। उन्होंने दावा किया है कि इस बार के लोकसभा चुनाव में बांग्लादेश मूल के अल्पसंख्यक समुदाय के लोगों ने कांग्रेस को भारी संख्या में वोट दिया है। उन्होंने कहा है कि इन लोगों ने केंद्र और राज्य में भाजपा के नेतृत्व वाली सरकारों द्वारा उनके लिए किए गए विकास कार्यों को अनदेखा किया है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि यह असम का एकमात्र समुदाय है जो सांप्रदायिकता में लिप्त है। बीजेपी के असम मुख्यालय में विजयी उम्मीदवारों के स्वागत समारोह में बोलते हुए हिमंत सरमा ने कहा कि सत्तारूढ़ गठबंधन को लगभग 47 प्रतिशत वोट मिले, जबकि कांग्रेस और उसके सहयोगियों को 39 प्रतिशत वोट मिले।

देश के वो 3 प्रोटेम स्पीकर जो बने लोकसभा के अध्यक्ष

क्या भर्तृहरि महताब दोहरा पाएंगे इतिहास?

दोपहर संवाददाता । मुंबई/ठाणे

देश में 18वीं लोकसभा का चुनाव हो चुका है और प्रधानमंत्री मोदी लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री के रुप में नई सरकार की कमान भी संभाल चुके हैं। लेकिन अभी तक नवनिर्वाचित सांसदों ने अपने पद की शपथ नहीं ली है। ऐसे में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने ओडिशा के कटक से सांसद भर्तृहरि महताब को प्रोटेम स्पीकर नियुक्त कर दिया है। बता दें कि भर्तृहरि लगातार 7 बार के सासंद हैं। उनका काम प्रधानमंत्री मोदी समेत देश के सभी 543 सांसदों को सांसद पद का शपथ दिलाना और स्पीकर का चुनाव कराना होगा। लेकिन क्या आप जानते हैं कि देश में 3 मौके ऐसे भी आए, जब प्रोटेम स्पीकर रहे शख्स ही लोकसभा के अध्यक्ष चुने गए।

कैसे चुने जाते हैं प्रोटेम स्पीकर?

संसदीय मामलों के जानकार बताते है कि प्रोटेम स्पीकर की नियुक्ति राष्ट्रपति करती है। उनका चयन वरीयता के आधार पर होता है। यह वरीयता 2 आधार पर तय की जाती है। पहला आधार होता है कि अगर कोई सांसद लगातार सबसे ज्यादा बार जीत कर आए हैं, तो उन्हें प्रथम वरीयता दी जाती है। दूसरी वरीयता सबसे वरिष्ठ सांसदों को दी जाती है। इनमें लोकसभा और राज्यसभा दोनों के कार्यकाल शामिल होता हैं।

सरदार हुकुम सिंह भी बने प्रोटेम से स्पीकर

1956 में जब मावलंकर का निधन हो गया तो कुछ समय के लिए प्रोटेम स्पीकर बनाकर सदन चलाने की जिम्मेदारी हुकुम सिंह को दी गई। पंजाब के कद्दावर नेता रहे सिंह इसके बाद साल 1957 में लोकसभा के डिप्टी स्पीकर बनाए गए।

सोमनाथ का नाम कांग्रेस ने किया था प्रस्तावित

2004 में सोनिया गांधी के नेतृत्व में यूपीए ने एनडीए को पटखनी दे दी। उस वक्त यूपीए में सीपीएम दूसरी सबसे बड़ी पार्टी थी। कांग्रेस ने सीपीएम को स्पीकर का पद ऑफर कर दिया

ये 3 प्रोटेम स्पीकर लोकसभा के अध्यक्ष

सोमवार 24 जून को सांसदों के शपथ ग्रहण के बाद अगर भर्तृहरि महताब को बीजेपी अपने लोकसभा अध्यक्ष के प्रत्याशी के तौर पर उतार दे तो चौंकिएगा नहीं, क्योंकि देश में इससे पहले तीन बार ऐसे मौके आए है जब प्रोटेम स्पीकर ही लोकसभा के अध्यक्ष बने हैं। इनमें सबसे पहला नाम देश के पहले लोकसभा अध्यक्ष गणेश वासुदेव मावलंकर दूसरा नाम हुकुम सिंह और तीसरा नाम यूपीए वन की सरकार के दौरान लोकसभा के अध्यक्ष रहे सोमनाथ चटर्जी का है।

प्रोटेम स्पीकर से स्पीकर बने थे मावलंकर

प्रोटेम से स्पीकर बनने वाले पहले नेता थे गणेश वासुदेव मावलंकर थे। 1952 में देश में पहला आम चुनाव कराया गया। इसमें कांग्रेस पार्टी को पूर्ण बहुमत मिली। सांसदों को शपथ दिलाने के लिए प्रोटेम स्पीकर का चुनाव किया गया। उस वक्त जीवी मावलंकर को यह जिम्मेदारी सौंपी गई। स्पीकर चुनाव की जब बारी आई, तो कांग्रेस ने मावलंकर के नाम का ही प्रस्ताव रखा। इस तरह मावलंकर देश के पहले लोकसभा अध्यक्ष बन गए।

कश्मीरा ने PM की एडवाइजर बनकर ठगे 82 लाख रुपए

दोपहर संवाददाता । सातारा

महाराष्ट्र के सातारा में रात करीब 11 बजे पुलिस कश्मीरा पवार और गणेश गायकवाड़ के घर पहुंची। कश्मीरा के बारे में आसपास के लोग जानते थे कि वो PMO में अफसर है। PM मोदी से सीधे बात करती है। गृहमंत्री अमित शाह के इतनेइनमें से तीन लोग सामने आए और पुलिस को बताया कि कश्मीरा और गणेश ने उनसे 82 लाख रुपए ठगे हैं। एक विक्टिम ने बहन मानकर कश्मीरा की शादी कराई थी, उसी का होटल हड़प लिया। इसके बाद पुलिस ने 29 साल की कश्मीरा और उसके पति 32 साल के गणेश को अरेस्ट किया।

फर्जी टेंडर डॉक्यूमेंट भेजकर लोगों को फंसाते थे

गणेश ने 6 मई 2018 को पोस्ट की थी। गणेश ने बताया था कि ये कश्मीरा की जॉइनिंग वाले दिन की फोटो है। कश्मीरा और गणेश फर्जी टेंडर डॉक्यूमेंट भेजकर लोगों को फंसाते थे। ये टेंडर अलग-अलग राज्यों के होते थे। 'मैंने दोनों के फर्जीवाड़े के बारे में पुलिस को बताया था, लेकिन लिखित शिकायत होने के बावजूद कार्रवाई नहीं हुई। उल्टा मेरे खिलाफ केस दर्ज कर लिया। 9 सितंबर, 2020 को मैंने केस दर्ज कराया था। इसके बाद 2023 में हाईकोर्ट गया। वहां से PMO, कलेक्टर और सातारा पुलिस को नोटिस जारी किया गया। इसके बाद पुलिस एक्शन में आई और अब उनके खिलाफ कार्रवाई हो रही है।' कश्मीरा और गणेश की गिरफ्तारी के बाद SP सातारा समीर शेख ने बताया था कि इन दोनों के खिलाफ तीन लोगों ने शिकायत की है। इनमें से एक है गोरख मराल। गोरख मराल आगे बताते हैं, 'कश्मीरा और गणेश ने सरकारी टेंडर दिलाने के बदले मुझसे 50 लाख रुपए मांगे, जो मैंने दिए।

पुणे में फिर हिट एंड रन

NCP विधायक दिलीप मोहिते पाटिल के भतीजे ने बाइक को रौंदा, एक की मौत

दोपहर संवाददाता । पुणे

पोर्शे कार एक्सीडेंट का मामला शांत हुआ भी नहीं कि पुणे में एक और हिट एंड रन का हाईप्रोफाइल मामला सामने आया है। अजीत पवार गुट के विधायक दिलीप मोहिते पाटिल के भतीजे मयूर मोहिते ने रविवार को अपनी तेज रफ्तार कार से एक बाइक को रौंद दिया। इस घटना में एक की मौत हो गई और एक गंभीर रूप से घायल हो गया है। पुलिस ने मयूर के खिलाफ मामला दर्ज किया है।

यह घटना रविवार रात को पुणे-नासिक हाईवे पर कलंब के पास हुई, विधायक के भतीजे ने अपनी तेज रफ्तार कार से कथित तौर पर बाइक सवार दो लोगों को कुचल

दिया। इस घटना की सूचना मिलते ही पुलिस घटनास्थल पहुंची और घायल शख्स को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती करवाया। जबकि, हादसे में मौके पर ही मारे गए शख्स के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतक का नाम कलंब निवासी ओम सुनील भालेराव (19) है। पुलिस ने इस मामले में विधायक दिलीप मोहिते पाटिल के भतीजे मयूर मोहिते के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने यह भी जांच शुरू कर दी है कि दुर्घटना के समय मयूर शराब के नशे में थे या नहीं।

गलत लेन में चल रही थी कार

प्रत्यक्षदर्शियों के बयान और शुरुआती रिपोर्ट से पता चलता है कि मयूर मोहिते पुणे-नासिक हाईवे पर पुणे की ओर वह गलत लेन में स्पीड से कार चला रहे थे। इसी दौरान उन्होंने सामने से आ रही बाइक से टक्कर हो गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि बाइक हवा में उछल गई और सवार सड़क के किनारे जा गिरी। ओम भालेराव के सिर में गंभीर चोट लगने से उसने मौके पर ही दम तोड़ दिया। जबकि, दूसरा शख्स गंभीर रूप से घायल हो गया।

सोशल मीडिया पर घटना का वीडियो वायरल

इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है। वीडियो में देखा जा सकता है कि एक सफेद रंग की टोयोटा फॉर्च्यूनर कार दिखाई दे रही है, जिसके आगे का हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया है। जबकि कुछ लोगों को एक व्यक्ति के बेसुध शरीर को झाड़ियों से सड़क के किनारे घसीटते हुए देखा जा सकता है। दावा किया जा रहा है कि यह शव दुर्घटना में शामिल पीड़ितों में से एक का है। वीडियो के अंत में कार से सभी लोगों को उतरते हुए देखा जा सकता है।

मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने राकेश यादव के परिवार को राहत चेक सौंपा

दोपहर संवाददाता । ठाणे

मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने फाउंटेन होटल के पास वर्सोवा खाड़ी में जेसीबी हादसे में फंसे मजदूर के परिवार को राहत चेक सौंपा। राकेश यादव के परिवार को ठाणे स्थित मुख्यमंत्री आवास पर बुलाया गया और यह चेक दिया गया। मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे द्वारा एमएमआरडीए को दिए गए निर्देश के अनुसार एलएंडटी कंपनी की ओर से 35 लाख रुपये और 15 लाख बीमा सहित 50 लाख का चेक रविवार राकेश यादव के परिवार को दिया गया. इस अवसर पर राकेश की पत्नी सुशीला

यादव, पिता बालचंद्र यादव, बेटियां रिशु और परी यादव, बेटा रिंकू यादव और भाई दुर्गेश यादव और एमएमआरडीए और एलएंडटी के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। राकेश के भाई दुर्गेश को भी एलएंडटी कंपनी में नौकरी दी गई है। वर्सोवा खाड़ी में एमएमआरडीए की ओर से पाइपलाइन के निर्माण के दौरान जेसीबी ऑपरेटर राकेश यादव जेसीबी की मिट्टी धंसने से दब गए। 17 दिनों तक उन्हें बाहर निकालने की कोशिश के बाद भी इसकी जांच नहीं हो सकी, जिसके बाद आखिरकार सेना, कोस्ट गार्ड, एनडीआरएफ, एसडीआरएफ के जवानों को एक साथ बुलाया गया। लेकिन ऊपर से हो रही बारिश और चल रहे बचाव कार्य के कारण इसमें काफी दिक्कतें आईं. हालांकि, राकेश के शव को बाहर निकालने का प्रयास अभी भी किया जा रहा है. लेकिन इससे पहले परिवार की मदद के तौर पर यह राहत राशि उनके परिवार को सौंपी गई।

रिक्शा की टक्कर से अज्ञात राहगीर की मौत

भिवंडी। सुबह करीब 5 बजे धामनकर नाका और कल्याण नाका के बीच मुख्य सड़क पर तेज रफ्तार से जा रहे आटो रिक्शा की टक्कर से 30 से 35 साल के एक अज्ञात युवक राहगीर की मौत हो गई। शहर पुलिस ने आरोपी रिक्शा चालक को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस सूत्रों द्वारा मिली जानकारी के अनुसार आटो रिक्शा चालक पन्नालाल लालता प्रसाद पटेल अपने रिक्शा क्रमांक एमएच 04 जे एच 6959 को कल्याण नाका की ओर ले जा रहा था, इसी बीच चालक ने एक अज्ञात व्यक्ति को टक्कर मारकर गंभीर रूप से घायल हो गया। दुर्घटना के बाद घायल व्यक्ति को एक निजी अस्पताल में और फिर ठाणे के सरकारी अस्पताल ले जाया गया जहां उनकी मृत्यु हो गई। इस मामले में भिवंडी शहर पुलिस स्टेशन में दुर्घटना का मामला दर्ज कर रिक्शा चालक पन्नालाल पटेल को गिरफ्तार कर लिया गया है। समाचार लिखे जाने तक मृतक अज्ञात युवक की पहचान नहीं हो सकी है।

महाराष्ट्र के सिंदखेड राजा में खुदाई के दौरान मिली भगवान विष्णु और लक्ष्मी की भव्य मूर्ति

बुलढाणा। बुलढाणा जिले के सिंदखेड राजा में राजा लाखोजी जाधव की समाधि क्षेत्र में भारतीय पुरातत्व विभाग द्वारा उत्खनन और संरक्षण कार्य चल रहा है। खुदाई के दौरान भगवान विष्णु और लक्ष्मी की 11वीं सदी की एक भव्य मूर्ति मिली है। इस पूरी मूर्ति में समुद्र मंथन का दृश्य बहुत ही साफ-सुथरे और नक्काशीदार तरीके से दर्शाया गया है। इसमें भगवान विष्णु शेषनाग पर बैठे हैं और लक्ष्मी उनके चरणों में बैठी हैं। चूंकि मूर्ति छह फीट लंबी और तीन फीट ऊंची और बहुत विशाल और भारी है।

ग्रामीणों की मांग है कि यह बेहद खूबसूरत मूर्ति है और यह यहां की धरोहर है इसलिए सरकार इस मूर्ति को साढ़े तीन करोड़ रुपये की लागत से बने संग्रहालय में संरक्षण के लिए रखे। इस क्षेत्र की खुदाई के इतिहास में कहा जाता है कि यह मूर्ति अत्यंत सुंदर एवं शोभायमान है।

खुदाई के दौरान मिली मूर्ति ग्यारहवीं शताब्दी की होने का अनुमान है। यह खूबसूरत और मनभावन मूर्ति को आज तक के इतिहास की सबसे खूबसूरत मूर्ति कहा जा रहा है।

ऐसा है दुलर्भ मूर्ति का स्वरूप

पूरी मूर्ति एक ही पौराणिक पत्थर पर उकेरी गई है। विष्णु को देवी लक्ष्मी के साथ शेषनाग पर लेटे हुए दिखाया गया है। मूर्ति में विष्णु के सिर के पिछले हिस्से पर दशावतार भी दर्शाया गया है। उनमें से बुद्ध को दशावतार के रूप में दिखाया गया है। सागरमंथन का सबसे सुंदर चित्रण कई दुर्लभ विशेषताओं को दर्शाता है। ब्रह्मा को कमल पर बैठे हुए मंदार पर्वत के बीच में दिखाया गया है। सर्प के सिर को एक असुर ने पकड़ा हुआ दिखाया है। जबकि, दूसरी तरफ विष्णु, गणेश, कार्तिकेय, इंद्र सहित विभिन्न सुरों को चार हाथों में उनके गुणों को पकड़े हुए और सर्प की पूंछ पकड़े हुए दिखाया गया है। पैरों में गरुड़ को हाथ जोड़े हुए दिखाया गया है। मंथन के परिणाम यानी ऐरावत, उच्चैश्रवा और कामधेनु को ऊपर दर्शाया गया है, जबकि अन्य, चंद्र, धन्वंतरि और लक्ष्मी को नीचे दिखाया गया है जो मंथन के परिणामस्वरूप आए थे। यहां तक कि, मोहिनी को बर्तन के साथ दिखाया गया है। यह अत्यधिक अलंकृत मूर्ति विष्णु मूर्तियों की उत्कृष्ट कृतियों में से एक प्रतीत होती है।

सिंदखेड राजा क्षेत्र के नागरिक कर रहे विरोध

सिंदखेड राजा क्षेत्र के नागरिकों ने सिंदखेड राजा में मिली मूर्ति को स्थानांतरित करने का विरोध जताया है। लोगों ने भारतीय पुरातत्व विभाग द्वारा मूर्ति हटाने पर तीव्र आंदोलन की चेतावनी दी है। जिजाऊ के वंशज शिवाजी राजे जाधव ने भी मूर्ति को अन्यत्र ले जाने का विरोध किया है। इस बीच राष्ट्रवादी अजित पवार गुट के जिला अध्यक्ष नजीर काजी ने भी प्रतिमा को अन्यत्र ले जाने पर व्यापक जन आंदोलन की चेतावनी दी है।

नवी मुंबई में सफल डाक सामुदायिक विकास कार्यक्रम (डीसीडीपी) का आयोजन

दोपहर संवाददाता । नवी मुंबई

नवी मुंबई क्षेत्र ने उन सभी गणमान्य व्यक्तियों का गर्व से स्वागत किया जो लोधीवली गांव में डाक सामुदायिक विकास कार्यक्रम (डीसीडीपी) में भारत-अफ्रीका डाक सम्मेलन का हिस्सा थे। इस आयोजन से डाक विभाग की व्यापक और प्रभावशाली सेवाओं पर प्रकाश डाला गया, जो पूरे देश में सामाजिक-आर्थिक विकास को बढ़ावा देने में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित करता है। इस कार्यक्रम में वंदिता कौल, सचिव, डाक विभाग, विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं । 1.3 लाख से अधिक ग्रामीण डाकघरों और लगभग 25,000 शहरी डाकघरों के साथ भारतीय डाक के पास विश्व का सबसे व्यापक डाक नेटवर्क है, जो वित्तीय समावेशन के लिए भारत सरकार की विभिन्न योजनाओं को सीधे नागरिकों के दरवाजे तक पहुंचाता है। डिजिटल इंडिया पहल के अंतर्गत भारतीय डाक मशीनीकृत पार्सल डिलीवरी, आधार अपडेट, आधार सक्षम भुगतान प्रणाली, डिजिटल जीवन प्रमाण पत्र, और क्लिक और बुक, पार्सल ट्रैकिंग और मोबाइल बैंकिंग जैसी विभिन्न ऑनलाइन सेवाओं सहित कई डोरस्टेप सेवाएं प्रदान करता है। अपने सामाजिक दायित्वों के साथ ही भारतीय डाक वाणिज्यिक और ई-कॉमर्स क्षेत्रों में भी अपनी सेवाएं देता है। डाक सामुदायिक विकास कार्यक्रम (डीसीसीपी) एक कार्यनीतिक पहल है, जिसका उद्देश्य भारतीय डाक के व्यापक नेटवर्क का उपयोग करके ग्रामीण समुदायों का उत्थान करना है। डीसीडीपी यह सुनिश्चित करता है कि आवश्यक सेवाएं दूरदराज के गांवों तक पहुंचें, बचत योजनाओं, आधार सेवाओं, बीमा और सामान्य सेवा केंद्र योजनाओं के माध्यम से सामाजिक-आर्थिक विकास और वित्तीय समावेशन को बढ़ावा मिले। इस कार्यक्रम में बचत बैंक, आधार, ग्रामीण डाक बीमा, व्यवसाय विकास, महिला सम्मान बचत प्रमाण पत्र और सुकन्या समृद्धि योजना सहित विभिन्न स्टालों पर मार्गदर्शन के साथ भेंट देना शामिल था। प्रतिनिधियों ने वर्ली चित्रों की विशेषता वाले एक स्टॉल का भी दौरा किया, जिसमें कई प्रतिनिधियों ने इन अनूठी कलाकृतियों को खरीदा। ब्रांच पोस्टमास्टर्स ने भारतीय डाक द्वारा प्रदान की जाने वाली सेवाओं की विस्तृत श्रृंखला का प्रदर्शन किया। गणमान्य व्यक्तियों ने महाराष्ट्र की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का भी आनंद लिया, जिसमें लावणी और तारपा जैसे स्थानीय लोक नृत्यों का प्रदर्शन किया गया।

नीट पेपर लीक मामले में दो शिक्षक गिरफ्तार

दोपहर संवाददाता । मुंबई

नीट पेपर लीक मामले में एंटी टेरोरिस्ट स्कॉड (एटीएस) ने लातूर जिले में दो जगहों पर छापेमारी कर जिला परिषद के दो शिक्षकों को गिरफ्तार किया है। दोनों शिक्षकों से एटीएस टीम पूछताछ कर रही है। जानकारी के अनुसार नांदेड जिले की एटीएस टीम को नीट पेपर लीक मामले में लातूर के दो शिक्षकों के शामिल होने का इनपुट मिला था। दोनों शिक्षकों की पहचान संजय तुकाराम जाधव और जलील उमर खान पठान के रूप में की गई थी। इनमें से एक लातूर और दूसरा सोलापुर में जिला परिषद स्कूलों में शिक्षक हैं। एटीएस की टीम ने इन दोनों के घर पर शनिवार देर रात को छापा मारा था और इनके घरों से कागजात बरामद किए। रविवार सुबह दोनों को गिरफ्तार कर गहन पूछताछ की जा रही है। बताया जा रहा है कि गिरफ्तार किए गए दोनों शिक्षकों पर मेडिकल दाखिले के लिए होने वाली परीक्षा में नकल कराने का आरोप है।

ट्रेनों में नर्क जैसा सफर, सिर्फ रेलवे जिम्मेदार

रेल मदद पर रिकॉर्ड 13,500 से ज्यादा शिकायतें

नागपुर। भारतीय ट्रेनों में महीनों से स्लीपर कोच और जनरल कोच में जारी यात्रियों की दमघोंटू भीड़ के रेलवे प्रशासन को जिम्मेदार ठहराया जा रहा है। मध्य रेल और दक्षिण-पूर्व-मध्य रेल के जेडआरयूसीसी और डीआरयूसीसी सदस्यों ने खुले तौर पर रेलवे की आलोचना की और कहा कि रेलवे प्रशासन की दूरदर्शिता के अभाव में आज हजारों यात्रियों को नर्क जैसा सफर करने पर मजबूर होना पड़ रहा है। ध्यान रखना चाहिए कि रेलवे सामान्य यात्रियों के लिए वास्तविक रूप से उपयोगी है। हवाई जहाज में सफर करने वाले यात्री वंदे भारत में नहीं बैठेगा लेकिन ट्रेन में सफर करने वाला सामान्य यात्री लाखों मुश्किलों के बाद भारतीय रेल को ही चुनेगा। उसे आरामदायक और सुरक्षित सफर देने की जिम्मेदारी रेलवे प्रशासन की है, जिसमें वह पूरी तरह से नाकाम साबित हुआ है।

जितनी सीटें, उतनी ही टिकटें क्यों नहीं?

मध्य रेल के जेडआरयूसीसी सदस्य बृजभूषण शुक्ला ने रेलवे के रिजर्वेशन सिस्टम को आईना दिखाते हुए कहा कि यात्री अपनी सुविधा हेतु 4 माह पूर्व ट्रेन में आरक्षण करवाता है। किंतु आरक्षित कोच में वेटिंग लिस्ट एवं साधारण टिकट वाले जबरन चढ़ जाते हैं या ईटीएफ के जरिये टीसी द्वारा जबरन चढ़ा दिये जाते हैं। इससे आरक्षित सीट पाने वाले यात्रियों को कष्ट होता है। रेलवे प्रशासन को चाहिए कि वे किसी भी ट्रेन में उतनी ही टिकटें जारी करें, जितनी सीटें उपलब्ध हों लेकिन रेलवे की नीयत यात्रियों के नारकीय सफर को आसान करने के बजाय अपनी कमाई पर है। वर्तमान स्थिति ने रेलवे की नई फितरत का परिचय दे दिया है कि जिसमें कमाई के फेरे में आम यात्रियों को कष्ट देना, सबसे पहली शर्त है। अब ट्रेनों में कोचेस नहीं बढ़ाई जा सकती क्योंकि देश के रेलवे प्लेटफार्म इतने बड़े नहीं है।

सिर्फ RPF के भरोसे नहीं सुधर सकती व्यवस्था

मध्य रेल के जेडआरयूसीसी सदस्य धर्मेन्द्र आचार्य ने कहा कि इस स्थिति के लिए रेलवे प्रशासन स्वयं जिम्मेदार है। पीक सीजन के दौरान उन्होंने स्लीपर कोचों की संख्या में कटौती की। जो यात्री वातानुकूलित श्रेणी के ऊंचे किराये के कारण स्लीपर क्लास में यात्रा करते थे। वे वेटिंग टिकट के साथ सफर करने को मजबूर हो गये। इससे स्लीपर क्लास की कोचेस में प्रतीक्षा सूची वाले यात्रियों की भारी भीड़ जमा हो रही है। केवल रेलवे सुरक्षा बल के सुपूर्द कर देने से इस विषम समस्या का समाधान नहीं हो सकता। हावड़ा स्टेशन पर वर्षों से आजाद हिंद जैसी ट्रेनों में आरपीएफ द्वारा लाइन लगवाकर यात्रियों को बैठाया जाता है। लेकिन ट्रेन के नागपुर पहुंचने तक पैर रखने को जगह नहीं बचती।

11 कृषि सेवा केंद्रों पर कृषि विभाग की कार्रवाई

8 के लाइसेंस निलंबित, 3 के रद्द

वाशिम। मानसून शुरू होते ही किसान बुआई के काम में लग जाते है। किसानों को बीज और खाद की खरीदी भी बड़ी मात्रा करते है। इस अवसर का फायदा उठाने के लिए कृषि सामग्री विक्रेता तय दर से अधिक दामों पर बीज व खाद बेचते है। इस पर कृषि विभाग भी नजर बनाए हुए है। किसानों को ज्यादा दरों पर बीजों की बिक्री व उसी प्रकार से खाद, बीजों की लिकिंग प्रकरण में वाशिम जिले के 8 कृषि सेवा केंद्रों के लाइसेंस निलंबित तथा 3 कृषि सेवा केंद्रों के लाइसेंस रद्द करने की कार्रवाई कृषि विभाग द्वारा की गई है। खरीफ सीजन में बीज, खाद व कृषि सामग्री की आपूर्ति व उसी प्रकार किसानों के साथ धोखाधड़ी न हो इसलिए कृषि विभाग अलर्ट मोड पर है।

निगरानी के लिए उड़नदस्तों का गठन किया

तहसील स्तर पर उड़नदस्तों का गठन किया गया है। जिला स्तर पर भी एक उड़न दस्ते का गठन कर कृषि सेवा केंद्रों की निगरानी की जा रही है।

दोषी पाए जाने पर की गई कार्रवाई

इस कार्रवाई में कृषि विभाग ने कृषि सामग्री बिक्री बाबत निर्धारित सूचना का उल्लघंन करने वाले 3 कृषि सेवा केंद्रों की जांच की। इस में दोषी पाए गए मानोरा तहसील के 3 कृषि सेवा केंद्रों के लाइसेंस रद्द किए गए हैं। जांच के दौरान वाशिम तहसील के 3, रिसोड तहसील के 2, मालेगांव, कारंजा व मानोरा तहसील के प्रत्येक एक इस प्रकार से कुल 8 कृषि सेवा केंद्रों पर भी कार्रवाई करके उनके लाइसेंस निलंबित किए हैं।

विवाद के बाद बेटे ने बुजुर्ग माता-पिता को घर से निकाला, एफआईआर दर्ज

दोपहर संवाददाता । पालघर

महाराष्ट्र के पालघर जिले में बुजुर्ग माता-पिता को घर से निकालने का मामला सामना आया है। पिता से रेस्तरां, बार और रिसॉर्ट के प्रबंधन को लेकर बेटे की बहस हो गई। झगड़ा इतना बढ़ गया कि बेटे ने माता-पिता को घर से बाहर निकाल दिया। बुजुर्ग दंपत्ति ने पुलिस में शिकायत की जिसके बाद बेटे के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। रविवार को पुलिस अधिकारी ने जानकारी दी कि विवाद के बाद अपने बुजुर्ग माता-पिता को घर से निकालने के आरोप में पुलिस ने एक व्यक्ति के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। उन्होंने बताया कि परिवार के स्वामित्व वाले रेस्तरां, बार और रिसॉर्ट के प्रबंधन को लेकर व्यक्ति (44) और उसके 75 वर्षीय पिता के बीच तीखी बहस हुई थी, जिसके बाद बेटे ने अपने माता-पिता को विक्रमगढ़ तहसील स्थित घर से कथित तौर पर निकाल दिया।

कारोबार का लेखा-जोखा मांगने पर हुआ था विवाद

पिता द्वारा अपने बेटे से कारोबार का लेखा-जोखा मांगे जाने पर विवाद शुरू हुआ। बुजुर्ग व्यक्ति सामाजिक कार्यकर्ता और स्थानीय वरिष्ठ नागरिक संघ के अध्यक्ष भी हैं। विक्रमगढ़ पुलिस थाने के अधिकारी ने पीड़ित की शिकायत के हवाले से बताया कि इसके बाद विवाद बढ़ गया और आरोपी ने अपने पिता की ओर कथित तौर पर कुछ चीजें फेंकी और बाद में उनके घर के ताले बदल दिए।

डॉक्टर ने चौराहे पर की पत्नी से मारपीट

अमरावती। अमरावती में एक डॉक्टर द्वारा अपनी पत्नी को चौराहे पर पीटने का मामला सामने आया है। घटना के दौरान बड़ी संख्या में भीड़ जमा हो गई। इसके बाद आरोपी की शिकायत पुलिस में की गई। अमरावती के जयस्तंभ चौक पर शाम 7.30 बजे फिजिओथेरपी डॉक्टर ने अपनी पत्नी से बीच रास्ते में मारपीट की। इस घटना से राहगीरों की भीड़ जमा हो गई थी। एक महिला द्वारा सूझबूझ दिखाते हुए पीड़ित महिला को कोतवाली थाने में ले जाकर डॉक्टर पति के खिलाफ शिकायत की

मायके से अस्पताल खोलने के लिए मांगता था पैसे

सूत्रों के अनुसार मुधोलकर पेठ स्थित एक ऑर्थोपेडिक हॉस्पिटल में डॉ. आशीष चौधरी फिजोओथेरपी डॉक्टर है। उनकी पत्नी ने शिकायत में बताया कि उनकी शादी 2003 में आशीष चौधरी से हुई थी। शादी के 15 दिन बाद ही वह शराब पीकर घर आते थे और शादी में कुछ उपहार

अस्पताल लगाने मायके से रुपए लाने किया प्रताड़ित

नहीं आए है, पिता से अस्पताल खोलने के लिए रुपए की मांग करते हुए मानसिक व शारीरिक रूप से प्रताड़ित कर मारपीट करते थे। लेकिन पीड़िता यह अपनी छोटी बहन की शादी नहीं होने से अपने पिता को कुछ नहीं बताती थी।

रविवार सुबह 10.30 बजे पीड़िता व उसके पति आशीष चौधरी मुधोलकर पेठ स्थित हॉस्पिटल में गए। जहां पीड़िता को वहीं बैठाकर आशीष बाहर निकल गया। थोड़ी देर बाद दोपहर 2 बजे शराब पीकर वापिस आया। कुछ कारण न रहते हुए गाली गलौज कर बाल पकड़कर उससे मारपीट की। यहां से दोनों रिपोर्ट देने के लिए राजापेठ थाने की ओर निकले, लेकिन पीड़िता ने अपनी मां, पिता और बहन का विचार किया, तब पीड़िता ने रिपोर्ट न देते हुए पति के गाड़ी पर बैठकर शहर में घुमाने ले गए।

जयस्तंभ चौक पर हुआ विवाद

शाम 7.15 बजे जयस्तंभ चौक में वडापाव की गाड़ी के पास कुछ कारण न रहते हुए भी आशीष ने अश्लील भाषा में गाली गलौज करना शुरू किया। तेरे पिता मुझे हॉस्पिटल लगाने रुपए नहीं देते ऐसा कहते हुए गाली गलौज कर मारपीट करना शुरू किया। इस समय वडापाव की गाड़ी पर नाश्ता कर रहे कुछ युवकों ने पति से महिला को छुड़ाया। इस बीच मार्ग से जा रही एक महिला ने पीड़िता को गाड़ी पर बैठाकर कोतवाली पुलिस स्टेशन ले गई। इसके बाद पीड़िता ने पति के खिलाफ शिकायत दी। पुलिस ने डॉक्टर आशीष चौधरी के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है।

पुणे के दौंड में पेड़ से टकराई तेज रफ्तार एसटी बस, 30 यात्री घायल

दोपहर संवाददाता । पुणे

पुणे जिले के दौंड तहसील में एसटी बस पेड़ से टकराई। हादसे में बस के परखच्चे उड़ गए। हादसे में 30 लोग घायल हो गए। घायलों को उपचार के लिए नजदीकी ग्रामीण अस्पताल में भर्ती कराया गया।

पुणे जिले के दौंड तहसील में यवत के पास सहजपुर गांव की सीमा में एक एसटी बस दुर्घटना हुई है। हादसा तेज गति से चल रही एसटी के पेड़ से टकराने से हुआ। इस घटना में बस में सवार 30 लोग घायल हो गए हैं। घायलों को इलाज के लिए नजदीकी ग्रामीण अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हादसे की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची।

मिली जानकारी के मुताबिक एसटी बस पंढरपुर से मुंबई जा रही थी। पुणे सोलापुर रोड पर तेज रफ्तार बस एक पेड़ से टकरा गई। पुलिस ने बताया कि इस घटना में कोई जानमाल का नुकसान नहीं हुआ है। घायलों को एक ग्रामीण अस्पताल में भर्ती कराया गया है और कुछ की हालत गंभीर होने की आशंका है। हादसा इतना भीषण था कि देखने से पता चलता है कि बस के परखच्चे उड़ गए। हादसे के बाद स्थानीय निवासी, सामाजिक कार्यकर्ता, पुलिस मौके पर पहुंची। बताया जा रहा है कि राहत कार्य शुरू हो गया है। पुलिस से सड़क पर ट्रैफिक जाम की स्थिति को बहाल करने रही है। पुणे में हादसों का दौर जारी है। लगातार हो रही जानलेवा दुर्घटनाओं ने नागरिकों में भय का माहौल पैदा कर दिया है।

सेक्स रैकेट का पर्दाफाश

दो महिलाओं को पुलिस ने कराया मुक्त

नालासोपारा। नालासोपारा पूर्व में फायर ब्रिगेड के पास,गैलेक्सी होटल के बाहर, अवैध वेश्यावृत्ति में लिप्त एक पुरुष दलाल को गिरफ्तार करने के बाद दो पीड़ित महिलाओं को छुड़ाने में पुलिस की अनैतिक मानव तस्करी रोकथाम टीम, नालासोपारा को सफलता मिली है। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि,वसंत नगरी नालासोपारा पूर्व से एक पुरूष वेश्यादलाल,वेश्यावृत्ति के लिए नालासोपारा पश्चिम के गैलेक्सी होटल के बगल में लड़कियां मुहैया कराएगा।ऐसी गुप्त जानकारी पुलिस निरीक्षक सौरभी पवार को मिली। इसके बाद फर्जी ग्राहक और दो पंच भी उक्त स्थान पर गये।जहाँ छापेमारी करके एक 30 वर्षीय दलाल को गिरफ्तार करके दो पीड़ित महिलाओं को छुड़ाया है। अधिकारी ने बताया कि,अभियुक्त पीड़ित महिलाओं को पैसों का लालच देकर,अलग-अलग ग्राहकों को बुलाकर उनसे पैसे लेता था और पीड़ित महिलाओं को वेश्यावृत्ति में धकेल देता था।

दो बजे
दोपहर
मुंबई, नवी मुंबई, ठाणे, पालघर, रायगढ़, नासिक, पुणे से एक साथ प्रकाशित
पत्रकारिता पावर नहीं रिस्पांसिबिलिटी है

अनुपम खेर ने ऑफिस में चोरी करने वाले चोरों की गिरफ्तारी पर किया पोस्ट

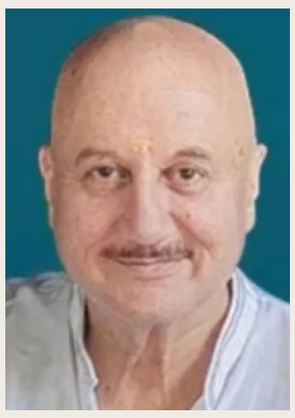

मुंबई/ नई दिल्ली। हिंदी सिनेमा के दिग्गज अभिनेता अनुपम खेर के ऑफिस में दो दिन पहले चोरी हुई थी। चोरों ने मुंबई स्थित उनके ऑफिस से कई कीमती सामान चुरा लिया था। हालांकि, अब मुंबई पुलिस ने चोरों को गिरफ्तार कर लिया है। दो चोर की गिरफ्तारी के बाद अब अनुपम खेर ने रिएक्शन दिया है। अनुपम खेर ने 20 जून को सोशल मीडिया पर जानकारी दी थी कि वीरा देसाई स्थित ऑफिस में चोरी की थी। चोरों ने ऑफिस का दरवाजा तोड़ा और अकाउंट्स डिपार्टमेंट्स से पूरा सेफ चुरा ले गये। यही नहीं, उनकी कंपनी द्वारा निर्मित एक बॉक्स में रखे एक फिल्म के नेगेटिव को भी चुरा ले गये। अब चोरों की गिरफ्तारी हो गई है तो अनुपम खेर ने मुंबई पुलिस को धन्यवाद किया है। अनुपम खेर ने 23 जून को इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक पोस्ट शेयर किया है। उन्होंने पुलिस के साथ दो चोरों की फोटो के साथ अपने ट्वीट के स्क्रीनशॉट को शेयर किया है। साथ ही एक नोट में मुंबई पुलिस को शुक्रिया कहा है।

नीट मामले को लेकर एटीएस ने दो शिक्षकों से पूछताछ की

मुंबई। महाराष्ट्र के आतंकवाद निरोधक दस्ते (एटीएस) ने राष्ट्रीय पात्रता-सह-प्रवेश परीक्षा-स्नातक (नीट-यूजी), 2024 में कथित अनियमितताओं के सिलसिले में लातूर जिले में एक निजी कोचिंग सेंटर चलाने वाले दो शिक्षकों से पूछताछ की। एटीएस के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि एटीएस की नांदेड़ इकाई ने शनिवार रात दोनों को हिरासत में लिया और कुछ घंटों तक पूछताछ के बाद उन्हें छोड़ दिया। अधिकारी ने बताया कि इनमें से एक शिक्षक लातूर जिले के एक सरकारी स्कूल में काम करता है। अधिकारी ने कहा कि यदि आवश्यकता हुई तो एटीएस द्वारा इन शिक्षकों को पुनः बुलाया जाएगा। एटीएस की यह कार्रवाई केंद्र सरकार द्वारा मेडिकल प्रवेश परीक्षा में कथित अनियमितताओं की जांच सीबीआई को सौंपे जाने के बाद हुई है।

अनमोल विचार शिक्षा सामाजिक-आर्थिक विकास का प्रमुख साधन है : वराहगिरी वेंकट गिरी

मुंबई होर्डिंग हादसा मामला

'विज्ञापन फर्म ने IPS की पत्नी की कंपनी को दी थी 46 लाख की रिश्वत'

भाजपा नेता का आरोप

दोपहर संवाददाता । मुंबई

महाराष्ट्र की राजधानी मुंबई के घाटकोपर इलाके में होर्डिंग गिरने से 17 लोगों की जान चली गई थी। इस होर्डिंग हादसे की जांच अभी तक जारी है। जांच के बीच कई अहम खुलासे भी हो रहे हैं। इस बीच, भारतीय जनता पार्टी के नेता किरीट सोमैया ने रविवार को होर्डिंग हादसे में बड़ा आरोप लगाया है।

46 लाख रुपए का घूस देने का मामला

बीजेपी नेता किरीट सोमैया ने आरोप लगाया कि विज्ञापन कंपनी के डायरेक्टर भावेश भिंडे ने तत्कालीन राजकीय रेलवे पुलिस आयुक्त कैसर खालिद की पत्नी की कंपनी को 46 लाख रुपये की घूस दी थी। उन्होंने वह होर्डिंग लगाने की अनुमति दी थी, जो पिछले मई के महीने में गिर गई थी।

BMC और पुलिस को अवैध होर्डिंग लगाने के लिए दिए गए 5 करोड़

बीजेपी नेता सोमैया ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर ये गंभीर आरोप लगाए हैं। सोमैया ने दावा किया कि इगो मीडिया प्राइवेट लिमिटेड ने मुंबई के घाटकोपर और दादर इलाकों में दो दर्जन अवैध होर्डिंग लगाने के लिए विभिन्न रेलवे पुलिस और बृहन्मुंबई महानगरपालिका (BMC) के अधिकारियों को पांच करोड़ रुपये दिए थे।

बीजेपी नेता ने डिप्टी सीएम को लिखा पत्र

इसके साथ ही पूर्व भाजपा सांसद ने महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस को एक पत्र लिखकर उनसे तत्कालीन राजकीय पुलिस आयुक्त कैसर खालिद को घाटकोपर होर्डिंग घोटाले के लिए निलंबित करने की मांग की है।

13 मई को हुआ था दर्दनीय हादसा

बता दें कि मुंबई के घाटकोपर इलाके में आंधी और बेमौसम बारिश के दौरान 13 मई को एक विशाल होर्डिंग गिरने से 17 लोगों की जान चली गई थी। इस हादसे में 70 से अधिक अन्य लोग घायल हो गए थे। पुलिस के अधिकारी ने बताया था कि जिस जमीन पर होर्डिंग लगा था उसका कब्जा राजकीय रेलवे पुलिस के पास है और तत्कालीन जीआरपी आयुक्त कैसर खालिद ने एम/एस इगो मीडिया प्राइवेट लिमिटेड को 10 साल के लिए एक पेट्रोल पम्प के पास होर्डिंग लगाने की अनुमति दी थी। होर्डिंग गिरने की घटना की जांच के लिए एक एसआईटी टीम का गठन किया गया है।

अब दलालों का म्हाडा में प्रवेश पर प्रतिबंध

सतर्कता विभाग ने सख्त कार्रवाई का दिया आदेश

दीपक पवार । मुंबई

महाराष्ट्र हाउसिंग एंड एरिया डेवलपमेंट अथॉरिटी (म्हाडा) का मुख्य कार्यालय बांद्रा, मुंबई में है। वही म्हाडा, जो सभी आम लोगों को घर उपलब्ध कराती है, एक ऐसी संस्था के रूप में बदनाम थी जो भ्रष्टाचार को बढ़ावा देती है। इस म्हाडा भवन पर कई वर्षों तक दलालों का शासन रहा है। कई आम नागरिकों को दलालों द्वारा धोखा दिया गया है और इन दलालों द्वारा धोखाधड़ी आज भी जारी है। यह देखा जा सकता है कि दलालों द्वारा मुख्यालय को परेशान किया गया है, हालांकि, अब म्हाडा के सतर्कता विभाग ने इसे बहुत गंभीरता से लिया है और दलालों से निपटने का आदेश दिया है। आम आदमी म्हाडा की लॉटरी जीतता है या नहीं, वह ठगा जाता है। म्हाडा के सतर्कता विभाग ने नागरिकों को घर दिलाने के नाम पर धोखाधड़ी करने वाले दलालों को गंभीरता से लिया है और सुरक्षा गार्डों को इन दलालों को पकड़ने का आदेश दिया है। म्हाडा के सतर्कता विभाग के पास आर्थिक धोखाधड़ी करने वाले दलालों की बड़ी संख्या में शिकायतें आई हैं। फर्जीवाड़ा करने वाले 30 नामी दलालों पर निगरानी विभाग ने कार्रवाई की है.सुरक्षा गार्डों को सूची में शामिल आरोपी दलालों को म्हाडा मुख्यालय में प्रवेश नहीं करने देना चाहिए। इसके अलावा विजिलेंस अधिकारियों ने बिना किसी ठोस काम के बार-बार मुख्यालय आने वालों पर भी कड़ी नजर रखने का आदेश दिया है। म्हाडा के मुख्य सतर्कता अधिकारी विनीत अग्रवाल ने कहा कि सुरक्षा विभाग को मुख्यालय में हर जगह लगे सीसीटीवी कैमरों की मदद से सतर्क रहने के निर्देश दिए गए हैं।

महिला कॉन्स्टेबल के साथ सब-इंस्पेक्टर ने किया दुष्कर्म !

19 लाख रुपए भी ऐंठे !

नवी मुंबई । नवी मुंबई इलाके में एक बेहद शर्मसार करने वाला मामले सामने आया है। 32 साल के एक पुलिस सब- इंस्पेक्टर के खिलाफ रेप का मामला दर्ज किया गया है। आरोप है कि यह पुलिस सब- इंस्पेक्टर शादीशुदा महिला कॉन्स्टेबल का लगातार न सिर्फ रेप कर रहा था बल्कि उसे खुद से शादी करने, अपने पति को छोड़ देने और पैसे ऐंठने का काम भी कर रहा था। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक, इस सब-इंस्पेक्टर ने ये कुकर्म साल 2020 और जुलाई 2022 के बीच सानपाड़ा इलाके में किए थे। अधिकारी ने कहा कि आरोपी ने 26 साल की पीड़ित महिला से दोस्ती की, दोनों मुंबई पुलिस से जुड़े थे और उससे शादी करने का वादा करने के बाद सानपाड़ा के एक फ्लैट में कई बार उसके साथ कथित तौर पर बलात्कार किया।

पुलिस ने कहा कि उसने समय-समय पर किसी न किसी बहाने से वह पीड़ित महिला से पैसे भी ऐंठता रहा। अब तक वह महिला से 19 लाख रुपये भी ले चुका है जिसमें से केवल 14।61 लाख रुपये ही लौटाए हैं। सानपाड़ा पुलिस थाने के अधिकारी ने बताया कि आरोपी ने महिला का पीछा भी किया और उससे अपने पति को छोड़ने के लिए कहा, ऐसा न करने पर उसने उसे जान से मारने की धमकी दी।

पुलिस द्वारा दी गई जानकारी के मुताबिक, शुरुआत में मुंबई के पंत नगर पुलिस स्टेशन में एक शिकायत दर्ज की गई थी, जिसके आधार पर आरोपी के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 376 (बलात्कार), 376 (2) (एन) (बार-बार बलात्कार), 354 (ए) (यौन उत्पीड़न), 354 (डी) (पीछा करना), 506 (2) (आपराधिक धमकी) और 420 (धोखाधड़ी) के तहत 'जीरो एफआईआर दर्ज की गई थी।

सुरक्षा गार्डों ने होटल संचालक को बेरहमी से पीटा, मामला दर्ज

दोपहर संवाददाता । मुंबई

मुंबई के डोंबिवली खोनी पलावा की हाई प्रोफाइल सोसायटी एक बार फिर सुर्खियों में है। यहां खाना पहुंचाने गए होटल के मालिक की सुरक्षा गार्डों ने लात-घूंसों से बेरहमी से पिटाई कर दी। जिसके बाद हंगामा मच गया।

जानकारी के अनुसार ऑर्डर किया गया भोजन पार्सल ले जा रहे एक होटल संचालक को सुरक्षा गार्डों ने इमारत में प्रवेश करने से रोक दिया। विवाद के चलते सिक्योरिटी गार्ड और उसके साथियों ने होटल संचालक की लात-घूंसों से बेरहमी से पिटाई कर दी। होटल संचालक की पिटाई का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है। हैरानी की बात यह है कि खाना ऑर्डर करने वाली महिला ने समझाने की कोशिश की, लेकिन उसके बाद भी सुरक्षा गार्डों ने उसकी पिटाई कर दी। इस मामले में होटल मालिक ने मानपाड़ा पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई है। इस शिकायत के मुताबिक पुलिस ने पिटाई करने वाले सुरक्षा गार्डों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

सोसायटी के अंदर जाने को लेकर हुआ विवाद

डोंबिवली के पास खोनी पलावा एक हाई प्रोफाइल सोसायटी है। अभिषेक जोशी का थालीवाली ढाबा नामक होटल पलावा से कुछ दूरी पर स्थित है। अभिषेक जोशी भी उसी पलावा सोसायटी की एक बिल्डिंग में रहते हैं। कल शाम करीब आठ बजे उनके पास पलावा की एक बिल्डिंग से फूड पार्सल के लिए कॉल आई। अभिषेक पार्सल लेकर अपने स्टाफ के साथ संबंधित बिल्डिंग में आ गए। लेकिन वहां सिक्योरिटी गार्ड ने उन्हें अंदर जाने से रोक दिया। जब अभिषेक ने अपने कर्मचारी को अंदर जाने के लिए कहा तो सिक्योरिटी गार्ड अभिषेक से बहस करने लगा। जब अभिषेक खाने का पार्सल लेकर नीचे आया तो सुरक्षा गार्डों ने उसे रोक दिया। कुछ ही देर में सिक्योरिटी गार्ड के साथ उसके साथी भी मौके पर आ गए। वे अभिषेक को गालियां देने लगे। अभिषेक को चार-पांच लोगों ने लात-घूसों से बेरहमी से पीटा। इस पिटाई में अभिषेक गंभीर रूप से घायल हो गया। इसी बीच जिस महिला ने पार्सल ऑर्डर किया था। महिला भी बीच-बचाव करने गई, लेकिन उसके बाद भी इन सुरक्षा गार्डों ने अभिषेक की पिटाई कर दी। इस पिटाई का वीडियो मोबाइल कैमरे में कैद हो गया है। ये वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है।

अभिषेक ने इस मामले में मानपाड़ा पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई है और इस शिकायत के मुताबिक मानपाड़ा पुलिस ने उनकी पिटाई करने वाले सुरक्षा गार्डों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है और पुलिस की आगे की जांच जारी है।

दो समाज के बीच दंगा भड़काने का प्रयास विफल : देवेंद्र फडणवीस

दोपहर संवाददाता । मुंबई

उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने रविवार को कहा कि नासिक के कालाराम मंदिर इलाके में दो समाज के बीच दंगा भड़काने का प्रयास पुलिस ने विफल कर दिया है। इस मामले में पुलिस ने कालाराम इलाके में दलित समाज के विरुद्ध पर्चा बांटने वाले को गिरफ्तार कर लिया है। मामले की गहन छानबीन नासिक पुलिस कर रही है।

देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि शनिवार को कालाराम मंदिर इलाके में दलित विरोध पर्चा बांटा गया था। इसके बाद विभिन्न राजनीतिक दलों ने इसे सोशल मीडिया पर पोस्ट किया था। बाद में पुलिस ने इस मामले में दलित समाज के ही एक शख्स को गिरफ्तार किया है। हालांकि इस मामले को लेकर शक जताया जा रहा था कि यह पर्चा अन्य वर्ग के लोगों ने बांटा था। इसकी छानबीन जारी है और पुलिस यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि पर्चा बांटने का मकसद क्या था।

देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि समाज में तनाव प्रयास करने का प्रयास किसी को भी नहीं करना चाहिए। साथ ही राजनीतिक दल के नेताओं को भी किसी भी जानकारी को कंफर्म करने के बाद ही सोशल मीडिया पर वायरल करना चाहिए।

प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना की समीक्षा की गयी

समस्या के समाधान के लिए केंद्र से उच्च स्तरीय अधिकारियों का एक दल मुंबई पहुंचेगा

दोपहर संवाददाता । मुंबई

प्रति माह 300 यूनिट तक बिजली की खपत करने वाले घरेलू उपभोक्ताओं को सौर ऊर्जा उत्पादन के माध्यम से मुफ्त बिजली प्रदान करने के लिए केंद्र सरकार द्वारा फरवरी महीने में प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना शुरू की गई है, इस योजना की समीक्षा के लिए शनिवार को बैठक हुई। ग्राहकों को हो रही परेशानी की जानकारी के बाद केंद्रीय मंत्रालय के अधिकारियों ने इस पर संज्ञान लिया। इस बात पर सहमति बनी कि इस मुद्दे को सुलझाने के लिए उच्च स्तरीय अधिकारियों की एक टुकड़ी मुंबई भेजी जाएगी। प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। इस अवसर पर महावितरण के वरिष्ठ अधिकारियों ने शनिवार को एक वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों को जानकारी दी। इस मौके पर नागपुर में रूफ टॉप सोलर प्रोजेक्ट लगाने वाली एजेंसियों के प्रतिनिधि भी मौजूद थे। .ग्राहकों को हो रही परेशानी की जानकारी के बाद केंद्रीय मंत्रालय के अधिकारियों ने संज्ञान लिया और समस्या के समाधान के लिए उच्च स्तरीय अधिकारियों की एक टीम मुंबई भेजने पर सहमति जताई। वीडियो कॉन्फ्रेंस में यह भी निर्णय लिया गया कि महावितरण के सूचना प्रौद्योगिकी विभाग के अधिकारी वेबसाइट की समस्याओं को हल करने के लिए केंद्रीय इकाई की मदद करेंगे। इसमें 3 किलोवाट तक रूफ टॉप सोलर प्रोजेक्ट लगाने वाले उपभोक्ताओं को केंद्र सरकार से 78 हजार रुपये तक की सब्सिडी मिलती है। इसके लिए केंद्रीय मंत्रालय की ओर से एक वेबसाइट तैयार की गई है और उस पर रजिस्ट्रेशन कराना होगा।

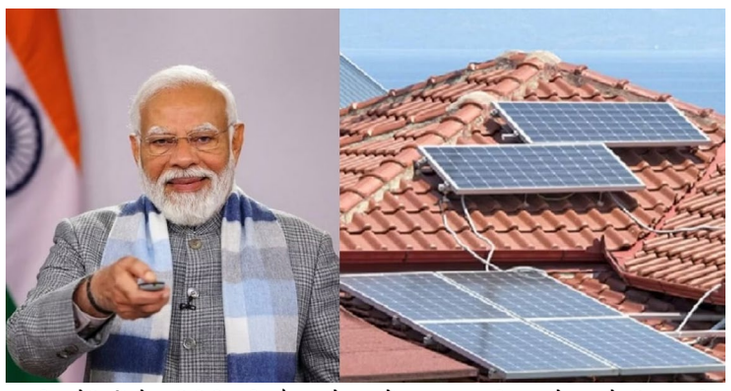

केंद्र सरकार की इस योजना के लिए ग्रामीण विद्युतीकरण निगम (आरईसी) नोडल एजेंसी है। केंद्र सरकार द्वारा इस योजना की घोषणा के बाद इसे जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली. राज्य में अब तक 1 लाख 73 हजार, 272 ग्राहकों ने रजिस्ट्रेशन कराया है। बड़ी संख्या में रजिस्ट्रेशन के बाद पिछले कुछ दिनों में योजना की वेबसाइट को लेकर ग्राहकों की कुछ शिकायतें आ रही हैं। प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना की वेबसाइट को लेकर बिजली उपभोक्ताओं को हो रही परेशानी पर केंद्रीय नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय ने संज्ञान लिया है। इस समस्या के समाधान के लिए मंत्रालय के विशेषज्ञों की एक टीम रविवार से काम शुरू कर रही है।

रायगढ़ में तालाब में 2 बच्चे डूबे

एक की मौत और एक लापता

मुंबई। रायगढ़ जिले की अलीबाग तहसील के मनुवाली इलाके में स्थित एक तालाब में रविवार को दो बच्चे डूब गए। इनमें से एक बच्चे का शव पुलिस ने बरामद कर लिया, जबकि एक बच्चा लापता है। फायर ब्रिगेड के जवान और गांव वाले मिलकर लापता बच्चे की तलाश कर रहे हैं। अलीबाग तहसील के मनुवाली में स्थित तालाब में आज दोपहर अथर्व हाके और शुभम बाला नामक दो बच्चे तैरने गए थे। इन दोनों को पानी का अंदाजा नहीं था, इसी वजह से दोनों तालाब में डूब गए। फायर ब्रिगेड की टीम और जिले से बचाव दल की टीम घटनास्थल पर पहुंची और अथर्व हाके का शव तालाब से निकाल लिया है। मौके पर शुभम का शव ढूंढने का काम जारी है। इस घटना से मनुवाली इलाके में शोक संतप्त माहौल व्याप्त है।

संपादकीय

मणिपुर पर भाजपा का अजीब रवैया

मणिपुर में कुकी और मैतेई समुदायों के बीच हिंसक संघर्ष को खड़े हुए साल भर से अधिक का वक्त बीत गया है। लेकिन वहां शांति कायम होने की पुख्ता जमीन अब तक तैयार नहीं हो पाई है। अलबत्ता गृहमंत्री अमित शाह ने सोमवार को एक उच्च स्तरीय बैठक की, जिसमें मणिपुर के हालात पर समीक्षा की गई। जिसमें फैसला लिया गया कि गृह मंत्रालय मैतेई और कुकी समुदाय से बात करेगा। गृह मंत्री शाह ने राज्य के मुख्य सचिव विनीत जोशी को विस्थापितों के लिए उचित स्वास्थ्य-शिक्षा सुविधाएं और उनके पुनर्वास को सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। गृह मंत्रालय को ओर से जारी बयान में कहा गया कि जरूरत पढ़ने पर राज्य में केन्द्रीय बलों की तैनाती बढ़ाई जाएगी। राज्य में शांति और सौहार्द्र बहाल करने के लिए बलों को रणनीतिक रूप से तैनात किया जाना चाहिए। मणिपुर में हिंसा फैलाने वालों को खिलाफ सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए। इस बैठक में अमित शाह के साथ केंद्रीय गृह सचिव अजय भल्ला, खुफिया ब्यूरो प्रमुख तपन डेका, सेना प्रमुख जनरल मनोज पांडे, मणिपुर के सुरक्षा सलाहकार कुलदीप सिंह, मणिपुर के मुख्य सचिव विनीत जोशी, मणिपुर के डीजीपी राजीव सिंह और असम राइफल्स के डीजी प्रदीप चंद्रन नायर शामिल थे। लेकिन मणिपुर के मुख्यमंत्री बीरेन सिंह का नाम इसमें नहीं था। केन्द्र और राज्य के प्रशासनिक, पुलिस और सुरक्षा अधिकारियों का बैठक में होना जरूरी था, क्योंकि सरकार के निर्णयों को जमीन पर उतारने का काम इन्हीं का होता है। लेकिन क्या मणिपुर की सत्ता राज्य सरकार नहीं बल्कि केंद्र सरकार संभाल रही है। अगर ऐसा नहीं है तो फिर बीरेन सिंह के इस बैठक में शामिल न होने के क्या कारण हो सकते हैं। क्या राज्य की सुरक्षा व्यवस्था के मामले में उन्हें दूर रखकर केंद्र सरकार ने मुख्यमंत्री बीरेन सिंह को यह संदेश दिया है कि उन पर अब भरोसा नहीं रहा। कारण जो भी हो, लेकिन केंद्र सरकार का यह रवैया लोकतांत्रिक नहीं है। मणिपुर और केंद्र दोनों जगह भाजपा ही सत्ता में है। भाजपा की जुबान में इसे डबल इंजन सरकार कहा जाता है। लेकिन दोनों जगह भाजपा के सत्ता में होने का यह अर्थ कतई नहीं है कि मणिपुर का शासन केंद्र से चले। अगर भाजपा को एन बीरेन सिंह की प्रशासनिक अक्षमता से शिकायत है, तो उन्हें पद से हटाना चाहिए या फिर राज्य में राष्ट्रपति शासन लगाना चाहिए। वैसे भी मणिपुर के मामले में केंद्र सरकार का रवैया समझ से परे ही रहा है। पिछले साल मई के शुरुआती दिनों में जब मणिपुर के हालात बिगड़ने शुरु हुए, प्रधानमंत्री मोदी तब भी वहां नहीं गए थे और अब जबकि उन्होंने फिर से प्रधानमंत्री का पद संभाल लिया है, उनकी प्राथमिकता में मणिपुर शायद अब भी नहीं है। जी-7 की बैठक में शामिल होने के लिए वे इटली तक हो आए, लेकिन मणिपुर जाने का उन्हें वक्त नहीं मिला है। मणिपुर पर अब भी अमित शाह बैठक कर रहे हैं।

परीक्षातंत्र की सर्जरी से ही नासूर का इलाज

लोकमित्र गौतम

मेडिकल क्षेत्र में प्रवेश की अखिल भारतीय परीक्षा नीट यूजी-2024 में पेपर लीक सहित कई दूसरी अनियमितताओं के संबंध में पिछले एक पखवाड़े में सुप्रीम कोर्ट कई बार सुनवाई कर चुका है, लेकिन अभी भी उम्मीदवारों का अखिल भारतीय प्रदर्शन थमा नहीं है। सुप्रीम कोर्ट के इतर विभिन्न प्रदेशों के हाईकोर्ट्स में भी इस संबंध में अलग-अलग याचिकाओं पर सुनवाई हो रही है। अंदाजा लगाया जा सकता है कि देश में प्रवेश परीक्षाओं और विशेषकर सरकारी नौकरियों में चयन के लिए होने वाली परीक्षाओं में किस स्तर तक धांधली बढ़ चुकी है। चिंताजनक बात यह है कि यह स्थिति तब है, जबकि देश के आठ राज्यों में पेपर लीक और परीक्षाओं में होने वाली धांधलियों से निपटने के लिए कठोर कानून हैं। जल्द ही केंद्र सरकार का भी इस संबंध में एक केंद्रीय कानून आने वाला है, क्योंकि इस कानून का बिल लोकसभा में पहले ही पारित हो चुका है।

पिछले सात वर्षों में 15 राज्यों की 45 सरकारी भर्ती परीक्षाओं के पेपर लीक हो चुके हैं। अगर इनमें अकादमिक परीक्षाओं के लीक हुए पेपरों को भी जोड़ दें तो इनकी संख्या बढ़कर 70 हो जाती है। हाल में आयी एक रिपोर्ट के मुताबिक पिछले सात सालों में 1.5 करोड़ से अधिक छात्र पेपर लीक के कारण प्रभावित हुए हैं। पेपर लीक के इस अपराध के कारण या तो इन छात्रों का करिअर बर्बाद हो चुका है या इनके करिअर का सुखद अवसर हाथ से निकल चुका है।

देश के 8 राज्यों में पेपर लीक से लेकर नकल तक को रोकने के लिए कई तरह के कड़े कानून हैं और ये पिछले कई सालों से मौजूद हैं। मसलन महाराष्ट्र में 1982 से नकल विरोधी कानून लागू है, उड़ीसा में 1998 से, आंध्र प्रदेश और तेलंगाना में 1997 से, झारखंड में 2001 से, छत्तीसगढ़ में 2008 से, उत्तर प्रदेश में 2017 से और राजस्थान में जुलाई, 2023 से, नकल विरोधी और पेपर लीक जैसी समस्या से सख्ती से निपटने के लिए बेहद सख्त कानून मौजूद हैं। लेकिन पेपर लीक होने की कोई कमी ही नहीं आ रही। हाल ही में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा है कि उत्तर प्रदेश में भर्ती परीक्षाओं में पेपर लीक रोकने के लिए जल्द ही एक कठोर कानून लाया जायेगा, जिससे कि किसी भी कीमत पर युवाओं के भविष्य के साथ किसी किस्म का खिलवाड़ न हो सके।

यूपी में नकल को रोकने और पेपर लीक जैसी समस्या से निपटने के लिए कानून के मौजूद होने के बावजूद पिछले सात सालों में सरकारी नौकरियों में भर्ती के आठ महत्वपूर्ण पेपर लीक हुए हैं। जिसमें यूपी एसआई भर्ती परीक्षा-2017, यूपी एसएसएससी परीक्षा-2018, यूपी पुलिस कांस्टेबल भर्ती-2024, इन तीन परीक्षाओं में ही करीब 42 लाख परीक्षा में बैठने वाले उम्मीदवारों की जिंदगी से खिलवाड़ हुआ। जबकि इन तीनों परीक्षाओं में लगभग 80 हजार नौकरियों के पद थे। उत्तर प्रदेश में पहले से ही ऐसा कानून मौजूद है, जिसमें प्रश्नपत्र लीक करने, उत्तर पुस्तिकाओं से छेड़छाड़ करने आदि में शामिल किसी व्यक्ति या समूह को कम से कम तीन सालों के लिए जेल और 1 करोड़ रुपये तक के जुर्माने की सज़ा का प्रावधान है। इसके बाद भी पेपर लीक और कई दूसरी तरह की परीक्षाओं से संबंधित गड़बड़ियां लगातार हो रही हैं।

अब उत्तर प्रदेश सरकार एक साल की सजा के बजाय 10 साल तक की सजा और 1 करोड़ की जगह 10 करोड़ रुपये तक के जुर्माना लगाने की बात पर विचार कर रही है। उत्तर प्रदेश सरकार के न्याय एवं विधि विभाग तथा गृह विभाग को इस संबंध में जिम्मेदारी सौंपी गई है कि वो कठोर से कठोर कानून का मसौदा बनाकर मुख्यमंत्री के सामने पेश करें। जानकारों का मानना है कि कितना भी मसौदा कड़ा बना दिया जाए, यह राजस्थान में मौजूद इसी तरह के कानून से ज्यादा कड़ा कानून नहीं होगा, जिसमें इस तरह का अपराध करने वालों को उम्र कैद तक की सजा और 10 करोड़ रुपये तक के जुर्माने का प्रावधान है। यही नहीं ऐसे अपराधियों पर एनएसए या गैंगस्टर जैसे एक्ट लगाये जाने की भी बात है और अगर ये कानून इसके दायरे में आये तो फिर अपराधियों की संपत्तियों पर बुलडोजर भी चलाया जायेगा और अपराधियों की हर तरह की संपत्तियों को छीनकर इस अपराध में हुए आर्थिक नुकसान की भरपायी की कोशिश की जायेगी। सवाल है कि जब पहले से ही आठ राज्यों में नकल और नौकरियों से संबंधित परीक्षाओं में होने वाली धांधलियों से निपटने के लिए कड़े कानून मौजूद हैं, फिर भी परीक्षाओं में होने वाली तरह-तरह के धांधलेबाजियां नहीं रुक रही हैं, तो भला कैसे उम्मीद की जा सकती है कि एक और कानून आ जाने भर से इस समस्या से छुटकारा मिल जायेगा?

दरअसल यह समस्या इसलिए भी छोटी-मोटी नहीं है, क्योंकि देश के सभी महत्वपूर्ण और बड़े प्रदेशों में ये संकट एक लंबे अर्से से मौजूद है, जिसके विरुद्ध अब तक कई तरह के कानूनों को आजमाये जाने के बाद भी ऐसे अपराधों में रत्तीभर भी कमी नहीं आयी।

तथ्य इस बात के गवाह हैं कि बीमारी बहुत जटिल और गहरी जड़ें पकड़ चुकी है। वास्तव में अगर इस बीमारी से मुक्ति पाना है, तो सरकार को बहुत कठोर होकर इस बीमारी से मुक्ति के लिए परीक्षाओं की गहरी चीड़फाड़ वाली सर्जरी करनी होगी। तभी इस समस्या से छुटकारा पाया जा सकता है।

शख्सियत

ओंकारनाथ ठाकुर

प्रसिद्ध हिन्दुस्तानी शास्त्रीय संगीतकार

ओंकारनाथ ठाकुर ने वाराणसी में महामना पं. मदनमोहन मालवीय के आग्रह पर बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय में संगीत के आचार्य पद की गरिमा बढ़ाई थी। वे तत्कालीन संगीत परिदृष्य के सबसे आकर्षक व्यक्तित्व थे। पचास और साठ के दशक में पण्डितजी का संगीत देशभर के मंचों पर छाया रहा। पं. ओंकारनाथ ठाकुर की गायकी में रंजकता का समावेश तो था ही, वे शास्त्र के अलावा भी अपनी गायकी में ऐसे रंग उड़ेलते थे कि एक सामान्य श्रोता भी उनकी कलाकारी का मुरीद हो जाता। उनका गाया 'वंदेमातरम' या 'मैया मोरी मैं नहीं माखन खायो' गाना आत्मा को सुकून देता है।

ओंकारनाथ ठाकुर का जन्म 24 जून 1897 में गुजरात के बड़ोदा राज्य में एक गरीब परिवार में हुआ था। उनके दादा महाशंकर जी और पिता गौरीशंकर जी नाना साहब पेशवा की सेना के वीर योद्धा थे। एक बार उनके पिता का सम्पर्क अलोनीबाबा के नाम से विख्यात एक योगी से हुआ। इन महात्मा से दीक्षा लेने के बाद से गौरीशंकर के परिवार की दिशा ही बदल गई। वे प्रणव-साधना अर्थात ओंकार के ध्यान में रहने लगे। तब 24 जून 1897 को उनकी चौथी सन्तान हुई। ओंकार-भक्त पिता ने पुत्र का नाम ओंकारनाथ रखा। जन्म के कुछ ही समय बाद यह परिवार बड़ौदा राज्य के जहाज ग्राम से नर्मदा तट पर भड़ौच नामक स्थान पर आकर बस गया। ओंकारनाथ जी का लालन-पालन और प्राथमिक शिक्षा यहीं से पूरी हुई। उनका बचपन गरीबी में बिता।

किशोरावस्था में ओंकारनाथ को अपने पिता और परिवार के सदस्यों के भरण-पोषण के लिए एक मिल में नौकरी करनी पड़ी। ओंकारनाथ जब 14 साल के थे तब उनके पिता का देहान्त हो गया। उनके जीवन में एक निर्णायक मोड़ तब आया, जब भड़ौच के एक संगीत-प्रेमी सेठ ने किशोर ओंकार की प्रतिभा को पहचाना और उनके बड़े भाई को बुला कर संगीत-शिक्षा के लिए मुंबई के विष्णु दिगम्बर संगीत महाविद्यालय भेजने को कहा। पण्डित विष्णु दिगम्बर पलुस्कर के मार्गदर्शन में उनकी संगीत-शिक्षा आरम्भ हुई। विष्णु दिगम्बर संगीत महाविद्यालय, मुम्बई में प्रवेश लेने के बाद ओंकारनाथ ने वहां के पांच वर्ष के पाठ्यक्रम को तीन वर्ष में ही पूरा कर लिया और इसके बाद गुरु के चरणों में बैठ कर गुरु-शिष्य परम्परा के अन्तर्गत संगीत की गहन शिक्षा ग्रहण की।

एक बार पंडित ओमकारनाथ ठाकुर के संगीत को सुनने के बाद, महात्मा गांधी ने टिप्पणी करते हुए कहा था पंडित ओमकारनाथ जी अपने एक गीत के माध्यम से प्राप्त कर सकते हैं, जो मैं कई भाषणों के माध्यम से प्राप्त नहीं कर सकता।

श्रोताओं पर ओमकारनाथ ठाकुर के व्यक्तित्व और उनके संगीत का प्रभाव इस तरह का था। 1922 में सूरत की इंदिरा देवी से उन्होंने विवाह कर लिया। उसके बाद वे नेपाल गए, जहां महाराज चंद्रशमशेर जंगबहादुर के समक्ष उनको गायन प्रस्तुत करने का अवसर मिला। महाराज ने उन्हें भरपूर सम्मान, भेंट वस्तुएं तथा धन तो दिया ही, साथ ही दरबार में गायक के रूप में नियुक्ति देने का भी प्रस्ताव रखा, परंतु ओंकारनाथ को दरबारी गायक बनने से मना कर दिया।

वे उस समय इटली, जर्मनी, हॉलैंड, बेल्जियम, फ्रांस, इंग्लैंड, स्विट्जरलैंड और अफ़गानिस्तान भी गये। रूस जाते समय उन्हें अपनी पत्नी के अचानक निधन का समाचार मिला, तो वे वापस लौट आए। बहुत लोगों के कहने के बावजूद ओंकारनाथ ठाकुर ने पत्नी के निधन के बाद पुनर्विवाह नहीं किया और एकाकी जीवन बिताने लगे। उनके शिष्य ही उनके लिए पुत्र-पुत्री समान हो गए थे। फिर उन्होंने मुंबई में संगीत निकेतन की स्थापना की।

सहज योग

आखिर तक वो यही सोचते रहता है कि, 'मुझ को करना है। और सोचते रहिए, एक के ऊपर एक ताना, बाना चलता रहेगा। कितना भी आप करते रहिए।

निर्विचारिता की ताकत

मैं कह रही हूं कि तुम्हारे सामने जो भी प्रश्न हैं, उन प्रश्नों को तुम अचेतन में छोड़ो, वो मेरे पैर में बह रहा है। माने ये कि कोई भी प्रश्न , अब तुमको अपनी लड़की का । प्रश्न है समझ लो। उसमें खोपड़ी मिलाने से कुछ नहीं होने वाला। जो भी प्रश्न है वो यहां छोड़ दो। उसका उत्तर मिल जायेगा। अब तुम अगर सोचते हो कि इस चीज़ से लाभ होगा, वो नहीं बात। जो परमात्मा सोचता हैं तुम्हारे लिये जो हितकारी चीज़ है, वो घटित हो जायेगी । वो तुम कर भी नहीं सकते हो । इसलिये उसको छोड़ दो तुम क्यों बीच में तंगड़ियां तोड़ रही हो? तुम क्यों परेशान हो रही हो ? तुमको परेशान होने की कोई जरूरत नहीं। तुम छोड़ तो दो, जो तुम्हारे सारे प्रश्नों को सॉल्व करने के लिये पूरी इतनी कमिटी बैठी हुयी है, उनके पास छोड़ो तुम, सहजयोग में यही तो कमाल है, कि सर का बोझा उतर गया उनकी खोपड़ी पर। छोड़ के देखो। ऐसे कमाल होंगे, कि बस। लेकिन मनुष्य की खुद्दारी की बात हो जाती है। आखिर तक वो यही सोचते रहता है कि, 'मुझ को करना है। और सोचते रहिए , एक के ऊपर एक ताना, बाना चलता रहेगा। कितना भी आप करते रहिए। आखिर आप पाईयेगा, कि आप कहीं भी नहीं पहुंचे। और पागलखाने में ही आप जाईयेगा। आपके प्रश्न हल करने के लिये बहुत बड़ी कमिटी बैठी हुई है। उसमें पांचों तत्त्वों के अभिनायक बैठे हुए हैं, ब्रह्मदेव। सारे धर्म को बनाने वाले बैठे हैं, विष्णु और सारे संसार की स्थिति ले कर के और लय ले कर के बैठे हुए हैं, शंकर जी। उनको भी तो कभी कभी चान्स दो। क्या तुम्ही लोग सारे प्रश्नों को ठीक करोगे ? और जैसे ही आप निर्विचार में होना शुरू कर देंगे, आप देखियेगा, आपके अन्दर ये तीनों ही शक्तियां अपने आप बन जायेंगी। अपने आप सुलझ जायेंगी, धर्म, अर्थ और काम। बिल्कुल वो ठीक से। अपने अपने जगह बैठ जायेगी। निर्विचारिता में रहने से आपके अन्दर जो प्रश्न है, उसमें कॉस्मिक चेंज आता है। ये कोई अन्दरूनी घटना घटित होती है। उसके सूत्र पर घटना होती है। जैसे एक आदमी समझ लीजिए की शराब पीता है। मिसाल के तौर पर। वो मेरे पास आता है । 'माताजी, ये शराब पीता है । उसकी शराब छुडाओ।' उसकी कुण्डलिनी जागृत करते ही, उसकी कॉस्मिक दशा ऐसी हो जाती है, कि वो शराब पीता है तो उसको उलटी होती है। फिर ये भी हो सकता है कि शराब की भी जो मादक शक्ति है, उसको भी खत्म कर सकते हैं, जब शक्ति पे बैठे हैं, तो हर तरह की शक्ति को ले सकते हैं । जितनी डिस्ट्रक्टिव शक्ति है उसको भी खत्म कर सकते हैं। लेकिन आप जो ये अपने छोटे से दिमाग में, हर एक चीज़ को सुलझाने का प्रयत्न करते हैं, उसी में गड़बड़ हो जाता है।

बिल्कुल निर्विचार। मेरे पैर पे भी लोग रहते हैं। तभी वो विचार में रहते हैं। मुझे इतना आश्चर्य होता है कि कम से कम मेरे पैर पे तो विचार छोड़ दो। वहाँ पे भी उनका चलता रहता है विचार। मैं कोशिश कर रही हूँ। हाथ-पैर चला रही हूँ, तांडव नृत्य हो रहा है और ये लोग इधर विचार ही कर रहे हैं । कम से कम मेरे पैर में विचार छोड़ना आना चाहिए ।

प्रस्तुति : धीरज सिंह

जीवन ऊर्जा

वराहगिरी वेंकट गिरी : निधन- 24 जून 1980

अवसान

शिक्षा सामाजिक-आर्थिक विकास का प्रमुख साधन है

भारत के चौथे राष्ट्रपति वराहगिरी वेंकट गिरी का जन्म 10 अगस्त,1894 को ओडिशा में स्थित ब्रह्मपुर के एक तेलुगू भाषी परिवार में हुआ था। 24 जून 1980 को चेन्नई तत्कालीन मद्रास में दिल का दौरा पड़ने से उनकी मृत्यु हुई।

मैं अपनी कमियों के प्रति सचेत हूं, लेकिन मैंने हमेशा एक ईमानदार कार्यकर्ता के रूप में अपनी सर्वोत्तम क्षमता और निर्णय के अनुसार काम करने की कोशिश की है।

मैं राष्ट्रपति भवन या राजभवन के वैभव के अंदर बैठने की तुलना में इस तरह की सभा में घर पर अधिक आराम महसूस करता हूं। मैंने सार्वजनिक रूप से अपने स्वतंत्र कामकाज के रास्ते में अपनी संवैधानिक बारीकियों को अनुमति नहीं दी है। प्रशासन से संबंधित विचारों को अक्सर स्पष्ट अभिव्यक्ति दी है।

तीव्र आर्थिक विकास और सामाजिक न्याय के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए नियोक्ता और कर्मचारी के बीच आपसी विश्वास और विश्वास बनाए रखना आवश्यक शर्त है। बेरोजगारी वह समस्या है जिसने हमारे युवाओं को नक्सली बना दिया है। शिक्षित युवा सभी आवश्यक सुख-सुविधाओं से वंचित हैं और उनके

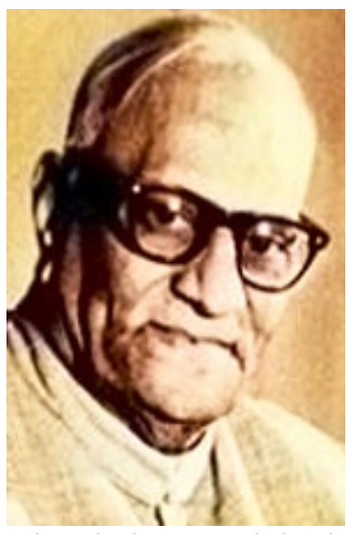

बढ़ते असंतोष ने नक्सलवाद के तेजी से बढ़ने की गुंजाइश पैदा कर दी है। भूख और भोजन की समस्या, बेरोजगारी, दिन-प्रतिदिन के निर्वाह के लिए आवश्यक वस्तुओं की बढ़ती और कुचलती कीमतों में स्वाभाविक रूप से देश के कई हिस्सों में गुस्सा और कभी-कभी हिंसक अभिव्यक्ति पाई गई है। प्रशासन और सार्वजनिक जीवन में भ्रष्टाचार और गिरते स्तर ने उनके आयाम बढ़ा दिए हैं। देश के युवा, जो भारत की प्रगति के निर्माण और इसकी एकता को बनाए रखने में सबसे शक्तिशाली शक्ति हैं, को सही उदाहरण दिखाना होगा और सही नेतृत्व देना होगा। आत्म-निरीक्षण और राष्ट्रीय कल्याण के प्रति समर्पण की भावना हम सभी को सही रास्ते पर ले जाएगी। शिक्षा सामाजिक-आर्थिक विकास का प्रमुख साधन है और जब तक सभी समाजों को गुणवत्ता और मात्रा में पर्याप्त सही प्रकार की शिक्षा प्रदान नहीं की जाती है, तब तक स्वास्थ्य और गरीबी की अज्ञानता की समस्या से संतोषजनक ढंग से निपटना संभव नहीं होगा, जो अधिकांश लोगों को प्रभावित करती है।

प्रेरक प्रसंग

संघर्ष

एक बार एक आदमी ने अपने बगीचे में एक तितली के कोकून को देखा। वह उसे देखने लगा, उसने नोटिस किया कि उस कोकून में एक छोटा सा छेद बन हुआ है, उसने देखा की छोटी तितली उस छेद से बाहर निकलने की बहुत कोशिश कर रही थी। बहुत देर तक कोशिश करने के बाद भी वो उस छेद से बाहर नहीं निकल पा रही थी, वह बहुत कोशिश करती रही, फिर वह शांत सी हो गयी, उस आदमी को लगा जैसे उसने हार मान ली हो। इसलिए उस आदमी ने तितली की मदद करने के लिए कैंची उठायी और कोकून की छेद को बड़ा कर दिया की जिससे तितली आसानी से बाहर निकल पाए और यही हुआ, तितली बिना किसी संघर्ष के आसानी से बाहर निकल गयी, पर उसका शरीर सूजा हुआ था, और पंख सूखे हुए थे। उस आदमी को लगा कि वो तितली अपने पंख फैला कर उड़ने लगेगी, पर ऐसा कुछ भी नहीं हुआ।

बल्कि कुछ समय बाद ही वह मर गयी। इसका उसे काफी दुःख हुआ। उस आदमी ने अपने बुजुर्ग को यह सारी बात बताई, बुजुर्ग ने बताया असल में कोकून से निकलने की प्रक्रिया को प्रकृति ने इतना कठिन इसलिए बनाया है, जिससे ऐसा करने से तितली के शरीर में मौजूद तरल पदार्थ उसके पंखों में पहुंच सके और वो छेद से बाहर निकलते ही उड़ पाए। जिंदा रह सके और तुमने उस की मदद करके उसकी सामान्य प्रक्रिया को तोड़ दिया। जिसके कारण उसका यह हश्र हुआ। संघर्ष ही शक्ति को विकसित करता है। जीवन में आने वाले कठिन पलों को सकारात्मक दृष्टिकोण से स्वीकार करे, क्योंकि वो हमे मजबूत बनाते है ना की मजबूर।

सर्वसिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ बिजाना शाजापुर मध्य प्रदेश

थाली के पास जल डालने का उद्देश्य

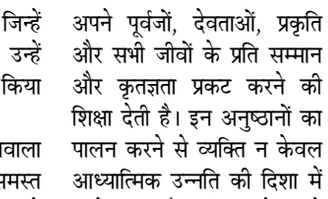

हिंदू धर्म में भोजन से संबंधित कई परंपराएँ और अनुष्ठान हैं जो आध्यात्मिक, सांस्कृतिक और स्वास्थ्य से जुड़े होते हैं। थाली के पास जल डालना तथा थाली के बाहर अन्न का एक निवाला रखने का उद्देश्य देवता, ऋषि, पूर्वज तथा समाज का ऋण चुकाना है। प्रत्येक व्यक्ति को यह ऋण चुकाना होता है। इस प्रक्रिया के अंतर्गत कुछ लोग थाली के पास जल डालते हैं, तो कुछ लोग थाली के बाहर दाहिनी ओर अन्न का एक अथवा पांच निवाला रखते हैं।

थाली के पास जल डालने का उद्देश्य

पवित्रता का प्रतीक : थाली के पास जल डालने से भोजन के आसपास की जगह को पवित्र माना जाता है। जल को हिंदू धर्म में पवित्रता और शुद्धता का प्रतीक माना जाता है।

देवताओं का आह्वान : भोजन के पास जल डालने से इसे देवताओं को अर्पित किया जाता है और उनकी कृपा प्राप्त की जाती है। इसे एक तरह से देवताओं को भोजन का आमंत्रण माना जाता है।

स्वास्थ्य संबंधी कारण : भोजन के पास जल डालने से यह सुनिश्चित किया जाता है कि भोजन का सेवन करने से पहले जल ग्रहण किया जाए, जो पाचन के लिए लाभदायक होता है।

थाली के बाहर अन्न का एक निवाला रखने का उद्देश्य :-

सर्वभूत हिताय : हिंदू धर्म में यह मान्यता है कि भोजन ग्रहण करने से पहले इसे सभी जीवों के लिए अर्पित करना चाहिए। थाली के बाहर अन्न का एक निवाला रखने से यह भाव प्रकट होता है कि हम अपने भोजन का एक अंश सभी जीवों के लिए समर्पित कर रहे हैं।

पितृ तर्पण : यह निवाला पितरों (पूर्वजों) के तर्पण के लिए होता है। यह विश्वास है कि हमारे पूर्वज इस अन्न से तृप्त होते हैं और हमें आशीर्वाद देते हैं। यह निवाला उन आत्माओं के लिए भी होता है जिन्हें मुक्ति नहीं मिली है। इसे उन्हें शांत करने के लिए अर्पित किया जाता है।

कृतज्ञता का प्रतीक : यह निवाला प्रकृति, पशु-पक्षी, और समस्त जीवों के प्रति कृतज्ञता प्रकट करने का एक तरीका है। यह हमारे भोजन का एक अंश उनके लिए समर्पित करता है।

अन्न का महत्व : यह निवाला यह भी सिखाता है कि अन्न का आदर करना चाहिए और इसे व्यर्थ नहीं करना चाहिए। अन्न देवता की पूजा करने का यह एक प्रतीकात्मक तरीका है।

थाली के पास जल डालने और थाली के बाहर अन्न का एक निवाला रखने की परंपरा गहरे धार्मिक, सांस्कृतिक और नैतिक मूल्यों से जुड़ी है। यह हमें अपने पूर्वजों, देवताओं, प्रकृति और सभी जीवों के प्रति सम्मान और कृतज्ञता प्रकट करने की शिक्षा देती है। इन अनुष्ठानों का पालन करने से व्यक्ति न केवल आध्यात्मिक उन्नति की दिशा में आगे बढ़ता है, बल्कि उसे अपने कर्तव्यों और जिम्मेदारियों का भी बोध होता है।

पंडित कैलाशचंद्र शर्मा
वैदिक सनातन संस्कृति के प्रचारक व सर्व सिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ के संस्थापक।
मो. नं. 9425980556

सुविचार

दिन रात अपने मास्तिष्क को उच्च कोटि के विचारों से भरे। जो फल प्राप्त होगा वह निश्चित ही अनोखा होगा।

यह अखबार "माध्यम कार्पोरेट सर्विसेज लि. " के लिए प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक अरुणलाल द्वारा ग्राउंड फ्लोर, ऑफिस नं. 2, के. के. चैम्बर्स, पुरुषोत्तमदास ठाकरदास रोड, फोर्ट, मुंबई- 400001 से प्रकाशित एवं सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, गाला नं. 4, एन.के.इंडस्ट्रियल इस्टेट, इनसाइड प्रवासी इंडिस्ट्रियल इस्टेट गेट नं. 2, गोरेगांव पू., मुंबई-63 से मुद्रित। फोन नं. 022-66555719 ईमेल : indiagroundreport@gmail.com **कार्यकारी संपादक :** राजा आदाटे (पी.आर.बी. अधिनियम के अंतर्गत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार)।

सावन के महीने में हरिद्वार के इस मंदिर में विराजते हैं महादेव

आप भी कर आएं दर्शन

हमारे देश में भगवान शिव-शंकर के कई मंदिर हैं, जो अपनी मान्यताओं और रोचक इतिहास को लेकर काफी ज्यादा फेमस हैं। दूर-दूर से श्रद्धालु इन मंदिरों में भगवान शिव का आशीर्वाद पाने के लिए आते हैं। बता दें कि इसी तरह हरिद्वार में भगवान शिव को समर्पित दक्षेश्वर महादेव मंदिर है, जो श्रद्धालुओं की आस्था का बड़ा केंद्र है। हरिद्वार में भगवान शिव को समर्पित दक्षेश्वर महादेव मंदिर की कथा भगवान शिव और राजा दक्ष से जुड़ी है। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको इस मंदिर के इतिहास के बारे में बताने जा रहे हैं।

पौराणिक कथा

पौराणिक कथा के अनुसार एक बार राजा दक्ष ने भव्य यज्ञ का आयोजन किया था। इस यज्ञ में भगवान शंकर के अलावा सभी देवी-देवताओं को आमंत्रित किया गया। लेकिन माता सती ने भगवान शिव से जिद कर यज्ञ में जाने की अनुमति ली। जब सती अपने पिता दक्ष के यहां पहुंचती हैं, तो राजा दक्ष भगवान शिव का अपमान करते हैं। जिसको माता सती सहन नहीं कर पाती हैं और अग्निकुंड में कूदकर आत्मदाह कर लेती हैं। माता सती के आत्मदाह के बाद भगवान शिव क्रोध में आकर अपनी जटाओं से वीरभद्र को पैदा करते हैं और राजा दक्ष का सिर काट देते हैं।

वहीं देवी-देवताओं के काफी अनुरोध करने पर भगवान शंकर ने दक्ष को जीवनदान दिया और बकरे का सिर लगा दिया। तब राजा दक्ष ने अपनी गलती की माफी मांगी। तब महादेव ने राजा दक्ष को माफ करते हुए वचन दिया कि हरिद्वार का मंदिर हमेशा उनके नाम से जुड़ा रहेगा। साथ ही महादेव ने राजा दक्ष को वचन दिया कि वह हर साल सावन के महीने में कनखल में ही निवास करेंगे।

किसने बनवाया था मंदिर?

बताया जाता है कि साल 1810 में रानी धनकौर ने दक्षेश्वर महादेव मंदिर का निर्माण करवाया था। वहीं साल 1962 में इस मंदिर का फिर से पुनर्निमाण कराया गया। इस मंदिर में भगवान श्रीहरि विष्णु के पद चिन्ह बने हैं। इस मंदिर के पास गंगा नदी बहती है। इस मंदिर के किनारे 'दक्षा घाट' है। इस मंदिर को माता सती के पिता राजा दक्ष की याद में बनवाया गया है।

मंदिर की खासियत

मान्यता के अनुसार, भगवान शिव ने राजा दक्ष को वचन दिया था कि वह इस मंदिर में दक्षेश्वर महादेव के रूप में पूजे जाएंगे। साथ ही वह अपनी ससुराल यानी की कनखल में निवास करेंगे। इसी वजह से सावन के महीने में मंदिर में स्थापित शिवलिंग के दर्शन के लिए श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ती है। बताया जाता है कि मंदिर में स्थापित शिवलिंग धरती लोक के साथ पाताल लोक में भी स्थापित है।

नंदी के इस कान में बोलने से पूरी होगी हर इच्छा

बस इन नियमों का करें पालन

हमारे देश में भगवान शिव के तमाम मंदिर हैं। भगवान शिव के मंदिर में नंदी जरूर विराजमान होते हैं। बताया जाता है कि जहां पर नंदी नहीं होते हैं, वहां पर भगवान शिव का भी निवास नहीं होता है। ऐसे में जब भी हम भगवान शंकर के मंदिर में दर्शन के लिए जाते हैं, तो अपनी मनोकामना नंदी जी के कान में करते हैं।

यह मान्यता सदियों से चली आ रही है। भगवान शिव-शंकर ने नंदी जी को यह वरदान दिया था। लेकिन क्या आप जानते हैं कि नंदी जी के कौन ने कान में अपनी मनोकामना कहनी चाहिए। अगर आपका जवाब नहीं है, तो हम आपको इस बारे में बताने जा रहे हैं।

किस कान में कहें अपनी इच्छा?

धार्मिक ग्रंथों के अनुसार, जब भी मंदिर में भगवान शिव की पूजा-अर्चना के लिए जाएं, तो उस समय तक मौन रहें जब तक आप अपनी मनोकामना नंदी जी के कान में नहीं कह देते हैं। वहीं अगर आप इसको सरल शब्दों में कहें, तो यदि आप महादेव की पूजा-अर्चना और नंदी के कान में अपनी इच्छा कहने से पहले किसी से बात करते हैं, तो यह अशुद्ध माना जाता है। क्योंकि ऐसा करने पर आपकी शुद्धता भंग हो जाती है। शास्त्रों में इस बात का उल्लेख मिलता है कि भगवान की पूजा के समय मौन रहना चाहिए। जिससे कि आपके शरीर में दिव्य ऊर्जा बनी रहे और वह ऊर्जा मुंह के जरिए बाहर न निकले। भगवान शिव शंभू ने नंदी को वरदान दिया था, यदि कोई व्यक्ति शिव पूजन के बाद मौन रखते हुए अपनी मनोकामना नंदी के बाएं कान में कहेगा। उसकी हर मनोकामना जरूर पूरी होगी। बता दें कि कई लोग अक्सर यह गलती करते हैं कि नंदी जी के सीधे कान में अपनी इच्छा बोलते हैं। वहीं बहुत सारे लोग नंदी के कान के पास न जाकर दूर से ही अपनी इच्छा बोल देते हैं। ऐसा करना गलत है।

जुलाई 2024 में शुक्र का गोचर, इन राशियों के जातकों के लिए होगा शुभ

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार के अनुसार जुलाई 2024 का महीना काफी खास होने वाला है। इस महीने भोग-विलास का कारक माना जाने वाला शुक्र ग्रह दो बार राशि बदलने जा रहा है। पहली बार 7 जुलाई को शुक्र कर्क राशि में और दूसरी बार 31 जुलाई को सिंह राशि में गोचर करेगा। शुक्र ग्रह का यह गोचर सभी 12 राशियों को प्रभावित करेगा, लेकिन कुछ राशियों पर इसका विशेष प्रभाव पड़ने वाला है।

इन राशियों को होगा फायदा

आइए जानते हैं किन राशियों पर शुक्र का गोचर सबसे ज्यादा शुभ फल देगा और किन राशियों को थोड़ा संभलकर रहना होगा :

मेष राशि : मेष राशि के जातकों के लिए करियर में तरक्की और नए अवसरों की प्राप्ति का योग बन रहा है। व्यापार में मुनाफा होगा और आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। पारिवारिक जीवन खुशियों से भरपूर रहेगा और स्वास्थ्य भी अच्छा रहेगा। उदाहरण के लिए, अगर कोई मेष राशि का जातक नौकरी की तलाश में था, तो उसे इस गोचर के प्रभाव से नई नौकरी मिल सकती है। वहीं व्यापार करने वाले जातकों को नए अनुबंध मिलने की संभावना है।

कर्क राशि : शुक्र को अपनी उच्च राशि कर्क राशि में गोचर करना सबसे ज्यादा शुभ माना जाता है। इस राशि के जातकों को धन, वैभव, सुख-समृद्धि, पारिवारिक सुख, संतान सुख और प्रेम संबंधों में वृद्धि हो सकती है। व्यापार में मुनाफा होगा और नए अवसर मिलेंगे। मानसिक शांति और आत्मविश्वास में भी बढ़ोतरी होगी। उदाहरण के लिए, अगर किसी कर्क राशि के जातक का बिजनेस अच्छा नहीं चल रहा था, तो इस गोचर के प्रभाव से उन्हें नए ग्राहक मिल सकते हैं और बिजनेस में तेजी आ सकती है। वहीं विवाहित जातकों के वैवाहिक जीवन में खुशियां आएंगी और संतान सुख की प्राप्ति हो सकती है।

तुला राशि : तुला राशि के जातकों के पारिवारिक जीवन में खुशियां और समृद्धि आने वाली है। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी और नए मित्र बनेंगे। सामाजिक जीवन भी काफी सक्रिय रहेगा। मानसिक शांति भी मिलेगी। उदाहरण के लिए, अगर किसी तुला राशि के जातक के पारिवारिक जीवन में कलह चल रही थी तो इस गोचर के प्रभाव से विवादों का अंत हो सकता है और घर में खुशियां लौट सकती हैं।

अन्य राशियो पर शुक्र के गोचर का प्रभाव

वृषभ, मिथुन, सिंह, कन्या, मकर और कुंभ राशि के जातकों को मिलाजुला फल प्राप्त होगा। धन, स्वास्थ्य, करियर और पारिवारिक जीवन में उतार-चढ़ाव आ सकते हैं। वहीं धनु और मीन राशि के जातकों को कुछ चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है। शत्रुओं से परेशानी हो सकती है और स्वास्थ्य बिगड़ सकता है। उदाहरण के लिए, अगर किसी वृषभ राशि के जातक का स्वास्थ्य पहले से ही ठीक नहीं चल रहा था, तो इस गोचर के प्रभाव से उन्हें स्वास्थ्य संबंधी परेशानियां हो सकती हैं।

राशिफल

प्रियंका जैन

मेष पुराने संगी-साथी व रिश्तेदारों से मुलाकात होगी। नए मित्र बनेंगे। प्रसन्नता रहेगी। कार्यों में गति आएगी। विवेक का प्रयोग करें। लाभ में वृद्धि होगी। मित्रों के सहयोग से समस्या का हल मिलेगा। व्यापार ठीक चलेगा।

वृष मेहनत सफल रहेगी। बिगड़े काम बनेंगे। कार्यसिद्धि से प्रसन्नता रहेगी। आय में वृद्धि होगी। सामाजिक कार्य करने के अवसर मिलेंगे। घर-बाहर पूछ-परख रहेगी। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। पार्टनरों का सहयोग मिलेगा।

मिथुन लेन-देन में सावधानी रखें। किसी भी अपरिचित व्यक्ति पर अंधविश्वास न करें। शोक संदेश मिल सकता है। विवाद को बढ़ावा न दें। किसी के उकसाने में न आएं। व्यस्तता रहेगी। थकान व कमजोरी रहेगी।

कर्क मेहनत का फल पूरा नहीं मिलेगा। स्वास्थ्य खराब हो सकता है। बौद्धिक कार्य सफल रहेंगे। किसी प्रबुद्ध व्यक्ति का मार्गदर्शन मिल सकता है। यात्रा मनोरंजक रहेगी। पारिवारिक मांगलिक कार्य हो सकता है।

सिंह संपत्ति के बड़े सौदे बड़ा लाभ दे सकते हैं। प्रॉपर्टी ब्रोकर्स के लिए सुनहरा मौका साबित हो सकता है। भाग्योन्नति के प्रयास सफल रहेंगे। रोजगार में वृद्धि के योग हैं। स्वास्थ्य कमजोर रहेगा। आय में वृद्धि होगी।

कन्या शत्रुओं का पराभव होगा। राजकीय सहयोग प्राप्त होगा। वैवाहिक प्रस्ताव प्राप्त हो सकता है। कारोबार से लाभ होगा। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। कोई बड़ा कार्य करने की योजना बन सकती है। सुख के साधनों पर व्यय होगा।

तुला वाहन, मशीनरी व अग्नि आदि के प्रयोग से हानि की आशंका है, सावधानी रखें। दूसरों के झगड़ों में हस्तक्षेप न करें। आवश्यक वस्तु समय पर नहीं मिलने से क्षोभ होगा। फालतू की बातों पर ध्यान न दें। व्यापार ठीक चलेगा।

वृश्चिक तीर्थदर्शन हो सकता है। सत्संग का लाभ मिलेगा। राजकीय सहयोग से कार्य पूर्ण व लाभदायक रहेंगे। कारोबार मनोनुकूल रहेगा। शेयर मार्केट में जोखिम न लें। नौकरी में चैन रहेगा। घर-बाहर प्रसन्नता बनी रहेगी।

धनु आर्थिक उन्नति के प्रयास सफल रहेंगे। कोई बड़ा कार्य कर पाएंगे। व्यवसाय मनोनुकूल लाभ देगा। कार्य पूर्ण होंगे। प्रसन्नता रहेगी। प्रतिष्ठा बढ़ेगी। भाग्य का साथ मिलेगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। जोखिम न लें। भाइयों का सहयोग मिलेगा। आय में वृद्धि होगी।

मकर बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। लंबी यात्रा हो सकती है। लाभ होगा। नए अनुबंध हो सकते हैं। रोजगार में वृद्धि होगी। रुके कार्य पूर्ण होंगे। प्रसन्नता रहेगी। नौकरी में उच्चाधिकारी की प्रसन्नता प्राप्त होगी। प्रशंसा मिलेगी। घर-बाहर पूछ-परख रहेगी। प्रमाद न करें।

कुंभ व्ययवृद्धि से तनाव रहेगा। किसी व्यक्ति के उकसावे में न आएं। विवाद से बचें। पारिवारिक चिंता बनी रहेगी। काम में मन नहीं लगेगा। व्यापार ठीक चलेगा। आय होगी। विवेक का प्रयोग करें। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। मित्रों का सहयोग प्राप्त होगा।

मीन रोजगार में वृद्धि होगी। व्यावसायिक यात्रा लाभदायक रहेगी। बेरोजगारी दूर करने के प्रयास सफल रहेंगे। नवीन वस्त्राभूषण की प्राप्ति होगी। कोई बड़ा कार्य हो जाने से प्रसन्नता रहेगी। निवेश लाभदायक रहेगा। भाग्योन्नति के प्रयास सफल रहेंगे। विवाद से बचें।

मूलांक 7 का व्यक्तित्व

इस अंक का ग्रह स्वामी केतु होता है। इस अंक को नेपच्यून के अंतर्गत भी माना गया है। 7, 16 और 25 तारीख वालों का मूलांक 7 होता है। सात नंबर एक आध्यात्मिक नंबर है। इस अंक को बहुत शुभ माना जाता है। जैसे कि आप सबको पता है इंद्रधनुष सात रंग होते हैं और सात फेरे लिए जाते हैं, इसलिए 7 अंक बहुत ही शुभ माना जाता है। यह लोग सिर्फ अपने काम से काम रखना पसंद करते हैं। बहुत शांत स्वभाव के होते हैं। किसी से झगड़ा करने और सुनाने पर उतारू होते हैं, तो बहुत ही तर्क शक्ति का इस्तेमाल करके सामने वाले की बोलती बंद कर देते हैं। यह लोग अक्सर मेडिटेशन हीलिंग और योग में देखे गए हैं। ऐसे लोग शक करने वाले होते हैं। यह लोग जल्दी किसी पर यकीन नहीं करते। ऐसे लोगों को अक्सर

विदेश यात्रा का मौका मिलता रहता है। 7 नंबर के कुछ लोग विदेश में स्थाई रूप से रहना पसंद करते हैं। लोगों का विवाहित जीवन अच्छा नहीं होता है। यह लोग अक्सर कन्फ्यूज्ड पाए जाते हैं। उन्हें समझ नहीं आता कि अध्यात्म की तरफ जाना चाहिए कि इन्हें घर संसार देखना चाहिए। इनका एनालिसिस पावर काफी स्ट्रॉन्ग होता है। हर चीज का विश्लेषण करने में यह माहिर होते हैं। इनका ऑब्जरवेशन भी काफी तेज होता है। यह अक्सर विचारों में डूबे हुए रहते हैं। इनका मन कभी शांत नहीं रहता। केतु ग्रह वैराग्य का कारक है, इसलिए यह लोग काफी ज्यादा लोगों से दूरी बनाए रखते हैं। इन लोगों की ज्यादा से ज्यादा मित्रता एक नंबर, दो नंबर और सात नंबर के लोगों से देखी गई है। इन लोगों के लिए शुभ रंग सफेद होता है। अधिक सोच-विचार करने के कारण लोगों को सिर दर्द और माइग्रेन का प्रॉब्लम होता है। इनके लिए शुभ रत्न होता है कैट्स आई जिसे हिंदी में lasuniya भी कहते हैं।

प्रियंका जैन
9769994439

खबर संक्षेप

सुकमा जिले में कोबरा के दो जवान शहीद

सुकमा। छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले में रविवार को नक्सलियों ने एक ट्रक को 'परिष्कृत विस्फोटक यंत्र' (आईईडी) से उड़ा दिया, जिसमें केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल की विशेष इकाई 'कोबरा' के दो जवान शहीद हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि यह विस्फोट राज्य की राजधानी रायपुर से 400 किलोमीटर दूर सुरक्षा बलों के सिलगेर और टेकलगुडेम शिविरों के बीच टिम्मापुरम गांव के पास अपराह्न करीब तीन बजे किया गया। उन्होंने बताया कि 'कमांडो बटालियन फॉर रेजोल्यूट एक्शन' (कोबरा) की 201वीं इकाई के एक अग्रिम दल ने टेकलगुडेम की ओर सड़क सुरक्षा ड्यूटी के तहत जगरगुंडा पुलिस थाने की सीमा के अंतर्गत सिलगेर शिविर से गश्त शुरू की थी। उन्होंने बताया कि सुरक्षाकर्मी एक ट्रक और मोटरसाइकिल पर सवार थे। उन्होंने बताया कि नक्सलियों ने ट्रक को निशाना बनाकर आईईडी धमाका किया, जिसमें कांस्टेबल शैलेंद्र (29) और वाहन चालक विष्णु आर (35) की जान चली गई।अधिकारी ने बताया कि धमाके की सूचना मिलने के बाद अतिरिक्त सुरक्षा बल मौके पर पहुंच गए हैं तथा शवों को जंगल से बाहर निकाला जा रहा है। उन्होंने बताया कि इलाके में तलाशी अभियान जारी है।

कभी भी अस्थिर हो सकती है केंद्र सरकार : मायावती

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की अध्यक्ष एवं उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने रविवार को कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की अगुवाई वाली केंद्र की मौजूदा राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार किसी भी वक्त अस्थिर हो सकती है लिहाजा पार्टी कार्यकर्ता पूरे देश में अपने मिशन से जुड़े लोगों को आगे बढाकर बसपा के जनाधार को युद्धस्तर पर बढ़ाएं। हाल में संपन्न हुए लोकसभा चुनाव में बसपा की पराजय के बाद मायावती ने पार्टी के प्रदेश कार्यालय में पार्टी की केंद्रीय कार्यकारिणी के सभी पदाधिकारियों, राज्यों के प्रदेश अध्यक्ष और अन्य वरिष्ठ पदाधिकारियों की महत्वपूर्ण बैठक बुलाई।

बैठक में मायावती ने कहा,'वर्तमान में केंद्र की भाजपा एवं उसकी राजग सरकार पूर्ण रूप से स्थिर नहीं है। उसके कभी भी अस्थिर होने की स्थिति बन सकती है। ऐसे में पार्टी के लोगों को पूरे देश में संगठन में मिशनरी लोगों को आगे करके पार्टी के जनाधार को युद्धस्तर पर बढ़ाना है, ताकि हर स्तर पर पार्टी मजबूत हो सके।'

मायावती ने कहा कि इस बार लोकसभा चुनाव में विपक्षी दलों ने संविधान बचाने तथा अन्य मुद्दों को लेकर गलत प्रचार करके मतदाताओं को गुमराह किया जिससे बसपा को जबरदस्त नुकसान हुआ है।

मायावती ने भतीजे आकाश को फिर घोषित किया उत्तराधिकारी

एजेंसी । लखनऊ

बहुजन समाज पार्टी की प्रमुख मायावती ने अपने भतीजे आकाश आनंद को पार्टी के राष्ट्रीय समन्वयक पद पर बहाल करते हुए एक बार फिर उनको अपना उत्तराधिकारी घोषित किया है। मायावती ने लखनऊ के पार्टी कार्यालय में रविवार को लोकसभा चुनाव में हार के कारणों की समीक्षा बैठक के दौरान प्रमुख पदाधिकारियों की मौजूदगी में यह घोषणा की। एक दिन पहले ही आकाश को उत्तराखंड में उपचुनाव के लिए स्टार प्रचारक नियुक्त किया गया था। सूची में उनका नाम मायावती के बाद दूसरे नंबर पर था। बसपा नेता एवं लखनऊ लोकसभा सीट से पार्टी के उम्मीदवार रहे सरवर मलिक ने मीडिया को बताया कि बहन मायावती ने आकाश को पुनः अपना उत्तराधिकारी बनाया है। आकाश का राष्ट्रीय समन्वयक पद भी बहाल कर दिया है। वह देशभर में दौरा कर एक रिपोर्ट बहन जी को सौंपेंगे। मलिक ने कहा कि लोकसभा चुनाव में अपने दम पर मैदान में उतरी बसपा को करारी हार का सामना करना पड़ा। इसकी समीक्षा के लिए मायावती ने बैठक बुलाई। इसमें उनके भतीजे आकाश भी शामिल हुए। आकाश ने अपनी बुआ मायावती के पैर छुए तो उन्होंने उनके सिर पर हाथ रखकर आशीर्वाद दिया।

कार्यकर्ताओं एवं पदाधिकारियों के साथ की बैठक

लोकसभा चुनाव में उम्मीद के अनुसार परिणाम नहीं आए। उन सारे नतीजों को लेकर बहन जी ने कार्यकर्ताओं एवं पदाधिकारियों के साथ करीब ढाई घंटे तक बैठक कर समीक्षा की। मायावती ने 07 मई को भतीजे आकाश को अपने राजनीतिक उत्तराधिकारी के पद से हटा दिया था। आकाश को पार्टी के सभी प्रमुख पदों से यह कहते हुए हटाने की घोषणा की थी कि उनके परिपक्व होने तक इन कर्तव्यों से मुक्त किया जा रहा है। बसपा प्रमुख ने पिछले वर्ष दिसंबर में आकाश को अपना उत्तराधिकारी घोषित किया था। हालिया लोकसभा चुनाव प्रचार के दौरान आकाश के खिलाफ सीतापुर में एक रैली में आपत्तिजनक भाषा का इस्तेमाल करने के आरोप में आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन का मामला दर्ज किया गया था। इसके बाद मायावती ने यह फैसला लिया था।

उप्र सरकार ने राज्य में 35 करोड़ पौधरोपण का लक्ष्य निर्धारित किया

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार ने राज्य में 35 करोड़ पौधों को रोपने और उनके संरक्षण का लक्ष्य निर्धारित किया है। रविवार को एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गयी। बयान में कहा गया कि उत्तर प्रदेश को हरा-भरा बनाए रखने के लिए योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व वाली सरकार की पहल पर सब मिलकर कार्य करेंगे। इसमें कहा गया कि सरकार ने सबके साथ और सबके प्रयास की बदौलत इस वर्ष भी 35 करोड़ पौधरोपण व उनके संरक्षण का लक्ष्य रखा है। प्रदेश के हरित क्षेत्र को नौ फीसदी से बढ़ाकर 2026-27 तक 15 फीसदी तक ले जाना है। इसके लिए प्रदेशव्यापी अभियान के तहत सभी विभागों व मंडलों के लिए भी लक्ष्य निर्धारण किया गया है।

बयान के मुताबिक, इस लक्ष्य के तहत वन, पर्यावरण व जलवायु परिवर्तन विभाग को 14 करोड़, ग्राम्य विकास विभाग को 12.59 करोड़, कृषि विभाग को 2.50 करोड़, उद्यान विभाग को 1.55 करोड़, पंचायती राज विभाग को 1.28 करोड़, राजस्व को विभाग को 1.06 करोड़ पौधरोपण का लक्ष्य दिया गया है। इसी तरह नगर विकास विभाग को 35 लाख, उच्च शिक्षा विभाग को 18 लाख, रेशम विभाग को 14 लाख, लोक निर्माण, रेलवे व जलशक्ति विभाग को 13-13 लाख, बेसिक शिक्षा विभाग को 12 लाख, स्वास्थ्य विभाग को 11 लाख, उद्योग विभाग को नौ लाख, औद्योगिक विकास व माध्यमिक शिक्षा विभाग को आठ-आठ लाख, गृह-पशुपालन विभाग को सात-सात लाख, ऊर्जा व सहकारिता विभाग को छह-छह लाख, आवास विकास, रक्षा व प्राविधिक शिक्षा को पांच-पांच लाख, श्रम व परिवहन विभाग को तीन-तीन लाख पौधरोपण का लक्ष्य दिया गया है। अभियान के तहत राज्य के सभी 18 मंडलों में भी पौधे लगाए जाएंगे। सबका लक्ष्य निर्धारित कर दिया गया है। सबसे अधिक पौधे लगाने का लक्ष्य लखनऊ मंडल को दिया गया है। लखनऊ मंडल में चार करोड़ पौधे लगाए जाएंगे।

फंदे से लटका मिला महिला का शव

भदोही। भदोही जिले के औराई थाना इलाके में रविवार को एक महिला का शव फंदे से लटका मिला। पुलिस ने यह जानकारी दी। औराई थाना के प्रभारी निरीक्षक (एसएचओ) सच्चिदानंद पांडेय ने बताया कि खमरिया पुलिस चौकी के पकरी तर मुहल्ले के निवासी विकास मौर्या मुंबई में रहते हैं और यहां उनकी पत्नी मीरा देवी (38) अपने दो बेटों साथ रहती हैं। उन्होंने बताया कि विकास 20 जून को मुंबई से वापस घर आया था। थाना प्रभारी ने बताया कि आज सुबह जब मीरा नहीं उठी तो करीब आठ बजे छोटा बेटा उसे जगाने के लिए कमरे में गया जहां जहां मीरा का शव फंदे से लटका मिला।

शिक्षा और परीक्षा व्यवस्था नकल माफिया के हवाले : अखिलेश

एजेंसी । लखनऊ

समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार पर नौजवानों का भविष्य बर्बाद करने का आरोप लगाते हुए रविवार को कहा कि इस सरकार ने शिक्षा और परीक्षा व्यवस्था को 'नकल माफिया' के हवाले कर दिया है।

यादव ने यहां एक बयान में राष्ट्रीय पात्रता सह परीक्षा (नीट) को लेकर उठे विवाद की तरफ इशारा करते हुए कहा, 'भाजपा सरकार ने नौजवानों का भविष्य बर्बाद कर दिया है। उसने शिक्षा और परीक्षा व्यवस्था को पूरी तरह से चौपट कर नकल माफिया के हवाले कर दिया है। यह सरकार एक भी परीक्षा पारदर्शिता से करने की क्षमता नहीं रखती है। पूरी सरकार भ्रष्टाचार में सराबोर है। भ्रष्टाचारियों की गिरफ्त में है।' उन्होंने कहा, 'भाजपा ने 10 वर्ष के कार्यकाल में पूरे तंत्र को खोखला कर दिया है। यह सरकार छात्रों और युवाओं के साथ-साथ देश के भविष्य के साथ भी खिलवाड़ कर रही है। छात्रों की मेहनत पर पानी फेर रही है। यह सरकार हर मोर्चे पर विफल है।' यादव ने आरोप गया कि भाजपा की सरकार पूरी तरह से झूठ और लूट पर चल रही है और महंगाई, बेरोजगारी चरम पर है, कानून-व्यवस्था ध्वस्त है। उन्होंने

कहा, 'पूरे प्रदेश में सूदखोरों का आतंक है। बलिया, प्रयागराज, लखनऊ, कानपुर के बाद शाहजहांपुर के तिलहर में भी कर्जदारों ने आत्महत्या कर ली है। बरेली में जमीन पर कब्जे को लेकर दिनदहाड़े गोलियां बरसाई गई।' सपा प्रमुख ने कहा, ''सरकार अपराधियों को संरक्षण दे रही है। खुलेआम हत्याएं हो रही हैं। पुलिस प्रशासन और भाजपा के कार्यकर्ता पूरी तरह से बेलगाम हैं। कानून-व्यवस्था पर सरकार का नियंत्रण खत्म हो चुका है।' उन्होंने कहा कि प्रदेश में हालात 'शर्मनाक' हैं। यादव ने कहा कि लोकसभा चुनाव में पराजय के बाद जिस तरह प्रदेश के कन्नौज, फिरोजाबाद और अलीगढ़ में प्रशासनिक विफलता की वजह से हत्या और फसाद हुआ है, वो निंदनीय है। उन्होंने कहा, 'दिल्ली-लखनऊ की लड़ाई में उत्तर प्रदेश की जनता क्यों पिसे? पराजय से जन्मा ये प्रतिशोध सामाजिक आक्रोश को ही जन्म देगा। इससे किसी का भला होने वाला नहीं।'

दो बाइकों की भिड़ंत में पति की मौत, पत्नी सहित दो घायल

फिरोजाबाद। थाना मक्खनपुर क्षेत्र के गांव जेबड़ा ओवरब्रिज पर रविवार को दो बाइकों की जोरदार भिड़ंत में पति की मौत हो गयी। पत्नी सहित दो लोग घायल हो गये। दोनों घायलों को चिंताजनक हालत में सरकारी ट्रामा सेंटर से आगरा रेफर किया गया।

गांव रसूलपुर निवासी अखिलेश (40) अपनी पत्नी सीमा को बाइक पर बैठाकर फिरोजाबाद शहर के थाना उत्तर के जैन नगर आ रहा था। बाइक सवार दम्पति मक्खनपुर थाना क्षेत्र के गांव जेबड़ा ओवरब्रिज पर पहुंचे ही थे कि तभी तेज गति से आ रही अनियन्त्रित बाइक से उनकी बाइक की जोरदार

भिड़ंत हो गयी। फलस्वरूप पति पत्नी के अलावा दूसरी बाइक पर सवार सड़क पर गिरकर गम्भीर रूप से घायल हो गये। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायलों को उपचार के लिये सरकारी ट्रामा सेंटर भिजवाया, जहां चिकित्सक ने परीक्षण के बाद अखिलेश को मृत घोषित कर शव को पोस्टमार्टम गृह में रखवा दिया। दुर्घटना में घायल उसकी पत्नी सीमा एवं दूसरी बाइक पर सवार अजीत को प्राथमिक उपचार के बाद दशा नाजुक देखते हुए आगरा एस एन मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया है। अखिलेश के परिजन सरकारी ट्रामा सेंटर पहुंच गये।

बहन से छेड़छाड़ का विरोध करने पर भाई की हत्या

बलिया। बलिया जिले के उभांव थाना क्षेत्र में कथित रूप से बहन से छेड़छाड़ का विरोध करने पर एक लड़के की हत्या कर दी गयी। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने इस मामले में रविवार को एक युवक समेत दो लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। उसने बताया कि अठगावा गांव में एक स्कूल के पास पवन राजभर (11) नामक लड़के का शव मिला। पुलिस ने बताया कि इस मामले में मृतक के पिता नागेंद्र राजभर की तहरीर पर भदौरा तरछापार गांव के निवासी हिमांशु यादव नामक युवक तथा उसके एक अज्ञात साथी के खिलाफ हत्या के आरोप में मुकदमा दर्ज किया गया है। उसने बताया कि शिकायत में आरोप लगाया गया है कि हिमांशु, पवन की 16 वर्षीय बहन के साथ छेड़खानी करता था जिसका पवन इसका विरोध करता था इसीलिये हिमांशु ने पवन की हत्या कर दी है।

व्यापार जगत

एआई कुछ निश्चित भूमिकाओं को समाप्त कर देगी, लेकिन उससे अधिक नौकरियां पैदा होंगी: डेलॉयट

एजेंसी । नई दिल्ली

कृत्रिम मेधा (एआई) जहां कुछ निश्चित भूमिकाओं को खत्म कर देगी वहीं उससे ज्यादा नई नौकरियां पैदा कर देगी। डेलॉयट के एआई कार्यकारी रोहित टंडन ने कहा कि भविष्य एआई-मानव के सहयोग का है, ना कि एआई मानवों की जगह ले लेगी। टंडन ने कहा कि वह एक क्रांतिकारी युग की कल्पना करते हैं, जहां प्रौद्योगिकी कार्यबल को प्रतिस्थापित करने के बजाय उसे सशक्त बनाएगी। डेलॉयट एलएलपी के एआई खंड के प्रबंध निदेशक टंडन ने बातचीत में कहा कि एआई नौकरियां नहीं छीनेगी, बल्कि कुछ आसान नौकरियों को खत्म कर देगी, तथा नई भूमिकाएं सृजित करेगी।

उन्होंने कहा, 'एआई लोगों की जगह ले लेगी ऐसा नहीं होगा। आपको अभी भी इंसानों की जरूरत है।' टंडन ने कहा कि जब आईटी, प्रौद्योगिकी और कंप्यूटर परिदृश्य में आए तो नौकरियों के खत्म हो जाने का ऐसा ही डर था। उन्होंने कहा, 'लेकिन जरा देखिए कि आईटी की वजह से दुनियाभर में कितनी नौकरियां पैदा हुई हैं। यही बात एआई के साथ भी होने जा रही है। यह सर्वव्यापी होने जा रहा है, ठीक वैसे ही जैसे आज है, जैसे आपके पास आज के सबसे बड़े सुपरकंप्यूटर आपके फोन पर उपलब्ध हैं, कुछ सबसे शक्तिशाली एआई एल्गोरिदम आपके पर्स में, आपके बटुए में, आपकी जेब में होंगे।'

टंडन ने कहा, 'यह ऐसी चीज होगी जिसके बारे में हम बात करें या न करें, यह हमारे जीवन का एक हिस्सा बन जाएगी। उन्होंने कहा कि यह पहली बार नहीं है जब कोई नई तकनीक आई है और उससे नौकरियां जाने का खतरा पैदा हुआ है।

बीओबी का 2025-26 के अंत तक तकनीकी टीम को दोगुना कर 3,000 करने का लक्ष्य

मुंबई। सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक ऑफ बड़ौदा (बीओबी) ने अगले दो साल में अपने प्रौद्योगिकी कर्मचारियों की संख्या को दोगुना कर 3,000 तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा है। बैंक के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) देवदत्त चंद ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि 1,500 कर्मचारियों की मौजूदा टीम को नियमित भर्ती प्रक्रियाओं और सीधे विशेषज्ञ प्रतिभाओं की नियुक्तियों के जरिये बढ़ाया जाएगा। चंद ने मार्च तिमाही के नतीजों की घोषणा के बाद कहा, 'अगले दो वर्षों में हम अपनी आईटी टीम में लोगों की संख्या को दोगुना कर देंगे।'उन्होंने कहा कि हाल में, भारतीय रिजर्व बैंक ने प्रौद्योगिकी संरचना में कमी के लिए बैंकों पर सख्त कार्रवाई की है, जिससे लेनदेन को निष्पादित करने की क्षमता प्रभावित हुई है। चंद ने कहा कि बैंक ने 1,500 नियमित कर्मचारियों के अलावा, आईटी कार्यों के लिए अनुबंध पर कर्मचारी भी रखे हैं। उन्होंने कहा कि बैंक आईटी पेशेवरों की अपनी ताकत को बढ़ाने के लिए मौजूदा जरूरतों के अनुरूप प्रतिभाओं को नियुक्त करना चाहता है। उन्होंने यह भी जोड़ा कि जरूरत और उम्मीदवार के अनुभव के आधार पर किसी भी ग्रेड में सीधे नियुक्ति की जाएगी।

ई-कॉमर्स निर्यात को बढ़ावा देने के लिए डीजीएफटी, राजस्व विभाग मिलकर कर रहे हैं काम

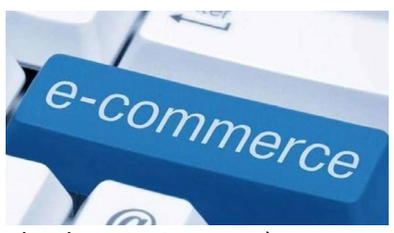

कोलकाता। देश से ई-कॉमर्स निर्यात को बढ़ावा देने के लिए विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) राजस्व विभाग के साथ मिलकर काम कर रहा है। इसके तहत देशभर में निर्दिष्ट ई-कॉमर्स केंद्र स्थापित किए जाएंगे जिससे ऑनलाइन निर्यात की प्रक्रिया को सुसंगत बनाया जा सकेगा। उद्योग सूत्रों के अनुसार, फिलहाल देश का ई-कॉमर्स निर्यात दो अरब डॉलर है, जबकि चीन का निर्यात 350 अरब डॉलर है। उन्होंने कहा कि सरकार का लक्ष्य एक सहयोगी ई-कॉमर्स पारिस्थितिकी तंत्र की स्थापना करके इस अंतर को पाटना है। विदेश व्यापार महानिदेशक संतोष कुमार सारंगी ने कहा, 'इस संबंध में बहुत चीजें सुव्यवस्थित करने की जरूरत है। हम राजस्व विभाग के साथ मिलकर ई-कॉमर्स केंद्र स्थापित करने पर काम कर रहे हैं, ताकि माल की खेप को मंजूरी में तेजी लाई जा सके।' उन्होंने कहा कि इन केंद्रों में समर्पित सीमा शुल्क और सुरक्षा जांच जैसी सुविधाएं होंगी, जिससे पहले से मंजूरी प्राप्त पार्सल को हवाई अड्डों पर 'ग्रीन चैनल' के माध्यम से आगे बढ़ाया जा सकेगा और आगे इनकी जांच की जरूरत नहीं होगी। सारंगी ने कहा कि यह दृष्टिकोण अन्य देशों में अपनाई गई सर्वोत्तम प्रक्रियाओं को प्रतिबिंबित करता है। उन्होंने बताया कि ई-कॉमर्स केंद्र का निर्माण और रखरखाव निजी संस्थाओं द्वारा किया जाएगा, जबकि सरकार सुरक्षा और सीमा शुल्क मंजूरी का काम देखेगी।

हिमाचल सरकार ने खरीफ फसल के लिए 9.70 लाख टन उत्पादन का लक्ष्य रखा

हमीरपुर/ऊना। हिमाचल प्रदेश के कृषि विभाग ने इस सत्र में खरीफ फसल उत्पादन का लक्ष्य लगभग 9.70 लाख टन रखा है। एक आधिकारिक प्रवक्ता ने शनिवार को कहा, 'कृषि विभाग ने खरीफ सत्र में 368 लाख हेक्टेयर खेती योग्य भूमि पर मक्का, धान, रागी, दलहन व अन्य खाद्यान्नों की बुवाई का लक्ष्य रखा है।'उन्होंने कहा कि खरीफ सत्र में मक्का की बुवाई का लक्ष्य सबसे ज्यादा 272 लाख हेक्टेयर रखा गया है। इसी तरह धान की बुवाई 73 हजार हेक्टेयर, दलहन की बुवाई 18 हजार हेक्टेयर और रागी जैसे खाद्यान्नों की बुवाई 12,700 हेक्टेयर में होनी है। इसके अलावा 87 हजार हेक्टेयर में सब्जियां और तीन हजार हेक्टेयर में अदरक की खेती का लक्ष्य रखा गया है, लेकिन 19 जून तक समय पर बारिश नहीं होने से प्रदेश में बुवाई धीमी रही है। हिमाचल में अधिकांश खेती बारिश पर निर्भर है लेकिन हर साल खरीफ सत्र में कृषि विभाग द्वारा खाद्यान्न और सब्जियों के उत्पादन का लक्ष्य निर्धारित किया जाता है। इस बार विभाग ने खरीफ सत्र में 9.70 लाख टन खाद्यान्न उत्पादन का लक्ष्य रखा है।

भारत-अफ्रीका डाक सम्मेलन का आयोजन

मुंबई। भारत सरकार ने संचार मंत्रालय, डाक विभाग के माध्यम से यूनिवर्सल पोस्टल यूनियन (यूपीयू) और यूनाइटेड स्टेट्स पोस्टल सर्विस (यूएसपीएस) के सहयोग से दक्षिण-दक्षिण त्रिकोणीय सहयोग (एसएसटीसी) के तहत 24 अफ्रीकी देशों के निर्दिष्ट कार्यालयों के मुख्य कार्यकारी अधिकारियों के लिए क्षमता निर्माण और अध्ययन यात्रा कार्यक्रम शुरू किया। इसका उद्घाटन समारोह मुंबई के होटल ताज लैंड्स एंड, बांद्रा में हुआ, जहाँ यूपीयू और यूएसपीएस के प्रतिनिधियों के साथ-साथ 45 अफ्रीकी प्रतिनिधियों का उत्साहपूर्वक स्वागत किया गया । इस अध्ययन यात्रा का उद्देश्य डाकघरों के माध्यम से विभिन्न सेवाएँ प्रदान करने के भारतीय मॉडल को साझा करना और प्रदर्शित करना है।

ये थे उपस्थित

इस अवसर पर वंदिता कौल, सचिव (डाक), संचार मंत्रालय, ठाकुर सुभाष सिन्हा, एशिया प्रशांत और दक्षिण-दक्षिण सहयोग

के समन्वयक, यूपीयू , अमादौ, समन्वयक डाक सेवाएं ,यूपीयू अफ्रीका, मैरी एंडरसन, कार्यकारी निदेशक (अंतरराष्ट्रीय डाक मामले), यूएसपीएस, संजय सरन, सदस्य (प्रौद्योगिकी), डाक सेवा बोर्ड, किशन कुमार शर्मा, मुख्य पोस्टमास्टर जनरल, महाराष्ट्र सर्किल, अमिताभ सिंह, पोस्टमास्टर जनरल (मेल एवं व्यवसाय विकास) एवं रामचंद्र जायभाये, पोस्टमास्टर जनरल, पुणे क्षेत्र उपस्थित थे। प्रणय शर्मा, उप महानिदेशक, अंतर्राष्ट्रीय संबंध एवं वैश्विक व्यापार ने गणमान्य व्यक्तियों एवं प्रतिनिधियों का स्वागत किया। उन्होंने एसएसटीसी के महत्व तथा ग्रामीण भारत में नागरिक केंद्रित सेवाएं प्रदान करने में भारतीय डाक की भूमिका पर प्रकाश डाला। वंदिता कौल, सचिव (डाक), संचार मंत्रालय, ने भारत की डाक सेवाओं का विस्तृत विवरण प्रस्तुत किया, तथा डाक सेवाओं के विकास और वर्तमान क्षमताओं पर प्रकाश डाला। यूपीयू में एशिया प्रशांत और दक्षिण-दक्षिण सहयोग के समन्वयक ठाकुर सुभाष सिन्हा ने वैश्विक सहयोग को बढ़ावा देने और दुनिया भर में डाक सेवा के बुनियादी ढांचे को बढ़ाने में एसएसटीसी के महत्व पर जोर दिया।

वेस्टइंडीज और दक्षिण अफ्रीका के बीच 'करो या मरो' का मुकाबला

एजेंसी । नॉर्थ साउंड

मेजबान वेस्टइंडीज को टी20 विश्व कप सेमीफाइनल में जगह बनाने के लिये दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सोमवार को सुपर आठ चरण का आखिरी मुकाबला हर हालत में जीतना होगा।सुपर आठ चरण के पहले मैच में इंग्लैंड से हारने के बाद वेस्टइंडीज ने सह मेजबान अमेरिका को नौ विकेट से हराया। अब जीत के साथ उसका अंतिम चार में प्रवेश तय हो जायेगा जबकि हारने पर मामला नेट रनरेट पर जायेगा और वह भी तब जबकि अमेरिका दूसरे मैच में इंग्लैंड को हरा दे। दूसरी ओर दक्षिण अफ्रीका ने अभी तक सभी छह मैच जीते हैं लेकिन उसे भी जीत की जरूरत है। हारने पर उसका अंतिम चार में पहुंचना भी बाकी मैचों के नतीजों और नेट रनरेट पर टिका होगा। दोनों टीमों के सामने हालांकि मैच से पहले तस्वीर साफ होगी।

वेस्टइंडीज टीम इंग्लैंड के खिलाफ स्ट्राइक रोटेट करने में नाकाम रही थी लेकिन अमेरिका के खिलाफ अपनी इस कमी से उसने पार पा लिया।शाइ होप ने 39 गेंद में 82 रन बनाये और उनके अलावा डैथ ओवरों में निकोलस पूरन और आंद्रे रसेल भी आक्रामक बल्लेबाजी में माहिर हैं। काइल

मायर्स भी अपनी बारी आने का इंतजार कर रहे हैं। एसए 20 और विश्व कप से पहले दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ उनके शानदार प्रदर्शन को देखते हुए उन्हें मौका दिया जा सकता है।रोस्टन चेस ने मैच से पूर्व प्रेस कांफ्रेंस में कहा,'हम पावरप्ले में जब भी अच्छा प्रदर्शन करते हैं, मैच जीत जाते हैं।अभी यही फोकस होगा कि पावरप्ले में गेंदबाजी और बल्लेबाजी बढिया रहे।'

दूसरी ओर दक्षिण अफ्रीका सारे मैच जीतने के बावजूद आत्मविश्वास से भरी नहीं लग रही। अमेरिका और नेपाल जैसी नौसिखिया टीमों ने उसे नाकों चने चबवा दिये थे।दक्षिण अफ्रीका के स्पिनर केशव महाराज ने कहा, 'पिछले सभी विश्व कप देखें तो हम कई करीबी मुकाबले हारे हैं। इस बार हम उन्हें जीत रहे हैं जो देखकर अच्छा लग रहा है।' दक्षिण अफ्रीका के लिये क्विंटोन डिकॉक और रीजा हेंडरिक्स ने रन बनाने की जिम्मेदारी निभाई है जबकि गेंदबाजी में एनरिच नॉर्किया और केशव कामयाब रहे हैं।वेस्टइंडीज के पास अकील हुसैन, गुडाकेश मोती और चेस जैसे उम्दा स्पिनर भी हैं जिन पर बीच के ओवरों में रनगति रोकने का जिम्मा होगा।

टीमें

- **दक्षिण अफ्रीका :** एडेन मार्कराम (कप्तान), ओटनील बार्टमैन, गेराल्ड कोएट्जी, क्विंटन डी कॉक, ब्योर्न फोर्टुइन, रीजा हेंड्रिक्स, मार्को यानसन, हेनरिक क्लासेन, केशव महाराज, डेविड मिलर, एनरिक नोर्किया, कागिसो रबाडा, रयान रिकेल्टन, तबरेज शम्सी, ट्रिस्टन स्टब्स।
- **वेस्टइंडीज :** रोवमैन पॉवेल (कप्तान), अल्जारी जोसेफ, जॉनसन चार्ल्स, रोस्टन चेज, शिमरोन हेटमायर, जेसन होल्डर, शाई होप, अकील होसेन, शमर जोसेफ, ब्रैंडन किंग, गुडाकेश मोती, निकोलस पूरन, आंद्रे रसेल, शेरफेन रदरफोर्ड, रोमारियो शेफर्ड।
- **मैच का समय :** सुबह छह बजे से।

ऑस्ट्रेलिया दबाव में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करता है : मार्श

एजेंसी । किंग्सटाउन

ऑस्ट्रेलिया के कप्तान मिशेल मार्श ने कहा कि उनकी टीम दबाव में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करती है तथा वह अफगानिस्तान से मिली हार से उबरकर भारत के खिलाफ सोमवार को होने वाले करो या मरो मैच में शानदार वापसी करेगी। ऑस्ट्रेलिया को टी20 विश्व कप के सुपर 8 के मैच में अफगानिस्तान से 21 रन से हार का सामना करना पड़ा जिससे उसकी सेमीफाइनल में पहुंचने की उम्मीदों को करारा झटका लगा है। ऑस्ट्रेलिया को अब भारत के खिलाफ सुपर 8 के अपने अंतिम मैच में न सिर्फ जीत दर्ज करनी होगी बल्कि अच्छा नेट रन रेट भी बनाए रखना होगा। मार्श ने संवाददाताओं से कहा,'यह महत्वपूर्ण मैच है जो भारत के खिलाफ होगा और इसमें हमें हर हाल में जीत दर्ज करनी होगी। अगर हमारी इस टीम के इतिहास को देखें तो हमारे खिलाड़ी दबाव में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हैं। हमारे खिलाड़ी निश्चित रूप से इसके लिए पूरी तरह तैयार होंगे।' उन्होंने कहा,'हमारे लिए चीजें अब स्पष्ट हैं। हमें खुद पर भरोसा रखना होगा। हमारे पास बहुत अच्छे खिलाड़ी हैं और मेरा मानना है कि हम सर्वश्रेष्ठ टीमों के खिलाफ अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते रहे हैं। हमें सब कुछ भूलकर आगे बढ़ना होगा और अपना सबसे अच्छा प्रदर्शन करना होगा।' अफगानिस्तान के खिलाफ हार से ऑस्ट्रेलिया का टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में आठ मैच का विजय अभियान थम गया। मार्श ने कहा,'हमें इस हार से वापसी करनी होगी। हमारा अपने इन खिलाड़ियों पर बहुत भरोसा है। हमारी टीम बहुत अच्छी है लेकिन आज का दिन हमारा नहीं था लेकिन सकारात्मक बात यह है कि हमें 36 घंटे के अंदर वापसी करने का मौका मिल रहा है।'

भारतीय रिकर्व मिश्रित टीम ने तीरंदाजी विश्व कप में कांस्य पदक जीता

अंताल्या (तुर्की)। धीरज बोम्मादेवरा और भजन कौर की भारतीय रिकर्व मिश्रित टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए रविवार के यहां मैक्सिको को हराकर तीरंदाजी विश्व कप के तीसरे चरण में कांस्य पदक जीता। भारतीय जोड़ी पहला सेट हारने के बाद 0-2 से पिछड़ रही थी लेकिन उसके बाद उसने बेहतरीन वापसी करके मैक्सिको के एलेजांद्रा वालेंसिया और मटियास ग्रांडे को 5-3 (35-38, 40-39, 38-37, 38-38) से हराया। भारत का वर्तमान विश्व कप में यह तीसरा पदक है। उसे अभी दो और पदक मिल सकते हैं।

धीरज और अंकिता भक्त को अभी अपने व्यक्तिगत सेमीफाइनल में भाग लेना है। भारत के लिए इससे पहले शनिवार को ज्योति सुरेखा वेन्नम, अदिति स्वामी और परनीत कौर की महिला कंपाउंड टीम ने स्वर्ण पदक जबकि प्रियांश ने रजत पदक जीता था।

भारत ओलंपिक अनुसंधान और शिक्षा केंद्र का शुभारंभ खेलों के लिए अच्छी पहलः उषा

गांधीनगर। गुजरात के गांधीनगर जिले में राष्ट्रीय रक्षा विश्वविद्यालय (आरआरयू) में रविवार को भारत ओलंपिक अनुसंधान एवं शिक्षा केंद्र का उद्घाटन किया गया। इस मौके पर भारतीय ओलंपिक संघ की अध्यक्ष और प्रसिद्ध धाविका पीटी उषा ने कहा कि यह भारतीय खेल पारिस्थितिकी तंत्र में ज्ञान, नवाचार और प्रदर्शन के केंद्र के रूप में काम करेगा। उन्होंने लावड स्थित आरआरयू परिसर में आयोजित कार्यक्रम में कहा कि इस तरह के केंद्र का शुभारंभ एक महत्वपूर्ण अवसर है। यह खेल और ओलंपिक में उत्कृष्टता की प्रतिबद्धता की ओर उठाया गया महत्वपूर्ण कदम है। उषा ने कहा कि यह केंद्र

ज्ञान के भंडार के रूप में काम करेगा, जिसमें ओलंपिक से जुड़े डेटा, प्रशिक्षण पद्धतियों, खेल विज्ञान और खिलाड़ियों के विकास से जुड़ी जानकारी होगी। राज्यसभा की सांसद उषा ने कहा, 'हम एक साथ काम करने के साथ ज्ञान साझा करके और नवाचार को अपनाकर मजबूत खेल संस्कृति बना सकते हैं। यह जमीनी स्तर से लेकर शीर्ष स्तर तक प्रतिभाओं को पोषित करेगी। हमें अपने खिलाड़ियों को समर्थन और प्रेरणा देना जारी रखने के साथ, उन्हें उत्कृष्टता हासिल करने के लिए आवश्यक संसाधन और प्रोत्साहन देते रहना होगा।' उषा ने कहा,'यह वैश्विक स्तर पर भारत का प्रतिनिधित्व करने का सपना देखने वाले खिलाड़ियों के लिए महत्वाकांक्षा और उम्मीद की किरण के रूप में काम करेगा। उन्होंने कहा, 'एक ऐसे व्यक्ति के रूप में जिसने अपने जीवन का एक महत्वपूर्ण हिस्सा एथलेटिक्स को समर्पित किया है, मैं कठोर शोध और निरंतर सीखने के महत्व को समझती हूं।

नाडा ने बजरंग पूनिया को फिर निलंबित किया

नई दिल्ली। राष्ट्रीय डोपिंग निरोधक एजेंसी (नाडा) ने रविवार को बजरंग पूनिया को दूसरी बार निलंबित कर दिया। इससे तीन सप्ताह पहले एडीडीपी ने इस आधार पर उनका निलंबन रद्द किया था कि नाडा ने पहलवान को आरोपों के संदर्भ में नोटिस जारी नहीं किया था।

नाडा ने 23 अप्रैल को तोक्यो ओलंपिक के कांस्य पदक विजेता पूनिया को निलंबित कर दिया था चूंकि उन्होंने 10 मार्च को सोनीपत में हुए चयन ट्रायल के दौरान डोप टेस्ट के लिये मूत्र के नमूने नहीं दिये थे। खेल की विश्व नियामक ईकाई यूडब्ल्यूडब्ल्यू ने भी उन्हें निलंबित किया था। बजरंग ने इस अस्थायी निलंबन के खिलाफ अपील दायर की थी और नाडा की डोपिंग निरोधक अनुशासन पेनल (एडीडीपी) ने नाडा के आरोपों के संदर्भ में नोटिस जारी करने तक इसे रद्द कर दिया था। नाडा ने रविवार को पूनिया को नोटिस जारी किया।नाडा ने पूनिया को भेजे नोटिस में कहा,'यह आपके लिये औपचारिक नोटिस है कि आपको राष्ट्रीय डोपिंग निरोधक नियमों की धारा 2.3 के उल्लंघन का दोषी पाया गया है और अब आप अस्थायी रूप से निलंबित हैं।'

'गुल्लक' में काम नहीं करना चाहते थे जमील खान

15 दिन में किया शूट और मिल गया अवॉर्ड

सोनी लिव का शो 'गुल्लक' ओटीटी पर जनता के फेवरेट फैमिली शोज में से एक है। हाल ही में शो का सीजन 4 रिलीज हुआ और एक बार फिर जनता को इस शो से बहुत प्यार हो गया। शो में मिश्रा परिवार के हेड, संतोष मिश्रा का किरदार हमेशा जनता का दिल जीत लेता है। इस किरदार में एक्टर जमील खान की परफॉरमेंस इतनी बेहतरीन है कि पहले दो सीजन में उन्हें इसके लिए अवॉर्ड भी मिल चुके हैं। अब 'गुल्लक 4' में कहानी में जो ट्विस्ट आए हैं, उनमें जमील को अपने किरदार के इमोशंस को और भी खुलकर एक्सप्लोर करने का मौका मिला है। लेकिन क्या आपको पता है कि पापा मिश्रा उर्फ संतोष मिश्रा का किरदार निभाने वाले जमील खान पहले ये शो करना ही नहीं चाहते थे?

टीवी पर बिल्कुल भी काम नहीं करना चाहते थे जमील

एक इंटरव्यू में जमील खान ने बताया कि उनका पहला प्यार हमेशा से थिएटर था। वो एक्टिंग के लेजेंड माने जाने वाले नसीरुद्दीन शाह के थिएटर ग्रुप, मोटले से भी जुड़े रहे हैं। लेकिन वो सिर्फ थिएटर करना चाहते थे और टीवी पर काम करने से तो उनका सख्त इनकार था। हालांकि, उन्होंने पहली बार, बीबीसी के नसीरुद्दीन शाह स्टारर शो 'गिरधारी' के लिए कैमरा फेस किया था। उन्होंने बताया, 'थिएटर में बहुत पैसे नहीं मिलते और जब आपको सर्वाइव करना होता है तो पैसों के लिए दूसरे रास्ते तलाशने पड़ते हैं। मैं लकी था कि लोगों ने मुझे थिएटर से ही फिल्मों के लिए उठा लिया। मैं टेलीविजन में बिल्कुल भी इंटरेस्टेड नहीं था इसलिए मैं उधर गया भी नहीं। मैं खूब थिएटर करता रहा और कुछ वॉइस-ओवर और फिल्मों और कमर्शियल्स के लिए डबिंग भी शुरू हो गई।' जमील ने बताया कि दूरदर्शन के शो 'परसाई कहते हैं' के लिए जब डायरेक्टर कुंदन शाह ने उन्हें रोल ऑफर किया, तो उन्होंने ऑफर रिजेक्ट कर दिया था। लेकिन कुंदन शाह ने उन्हें स्क्रिप्ट सुनाई और कहा कि कम से कम सोच तो लें। फिर भी जमील टीवी शो में काम नहीं करना चाहते थे। इसलिए जब कुंदन के असिस्टेंट डायरेक्टर ने उन्हें दोबारा कॉल किया, तो उन्होंने एक बड़ी सी रकम बतौर फीस डिमांड की। लेकिन कुंदन उन्हें ये फीस देने के लिए राजी हो गए तो उन्हें शो में काम करना ही पड़ा, और कोई ऑप्शन ही नहीं था। तो 'परसाई कहते हैं' में जमील ने 12 एपिसोड किए। मोस्टली टीवी के ऑफर रिजेक्ट करने वाले जमील ने एक बार फाइनेंशियल हालत खराब होने पर पॉपुलर टीवी शो 'CID' का एक एपिसोड भी किया। लेकिन मन से वो कभी भी टीवी नहीं करना चाहते थे।

कल्कि का तगड़ा बज, मेकर्स ने पांच दिन पहले ही ले लिए ये दो 2 बड़े फैसले

जिस बात का इंतजार था वो खत्म होने जा रहा है। 4 दिन बाद कल्कि 2898 एडी फिल्म रिलीज हो रही है। प्रभास और दीपिका पादुकोण की फिल्म को लेकर बज़ बहुत हाई है। फिल्म के दो ट्रेलर आ चुके हैं और फिल्म को लेकर लोगों के बीच कई सारे सवाल पहले से ही खड़े हो गए हैं। देश ही नहीं बल्कि दुनियाभर के लोग इस फिल्म की रिलीज का इंतजार कर रहे हैं। मूवी को देखने के लिए इतनी ऑडियंस हो गई है कि स्क्रीन्स कम पड़ने लग गई हैं। एडवांस बुकिंग में ही ये हाल हा। अब इस फिल्म को लेकर मेकर्स ने एक और बड़ा फैसला ले लिया है। ऐसा आमतौर पर हर फिल्म के साथ देखने को नहीं मिलता है। कल्कि 2898 एडी की बात करें तो प्रसिद्ध पीआर सुरेश PRO ने सोशल मीडिया पर ये जानकारी शेयर करते हुए एक सरकारी डॉक्युमेंट्स शेयर किया। इस डॉक्युमेंट्स में तेलंगाना सरकार के साइन हैं और लिखा हुआ है कि फिल्म को 27 जून से लेकर 4 जुलाई तक, 8 दिनों के लिए सुबह 5:30 पर रिलीज किया जाएगा। इसके अलावा फिल्म के टिकट्स भी रेगुलर थिएटर्स में 70 रुपये और मल्टीप्लेक्स में 100 रुपये बढ़ा दिए जाएंगे। रिपोर्ट्स की मानें तो ऐसा इसलिए किया जा रहा है ताकि फिल्म को देखने के लिए एरिया में ज्यादा भसड़ न मचे और ज्यादा कंजेस्टेड न रहे। 4 तारीख के बाद से इस हाइक को बदला जा सकता है। हालांकि ये निर्देश सिर्फ तेलंगाना के थिएटर्स के लिए जारी किया गया है।

कई बड़ी कास्ट है शामिल

फिल्म की बात करें तो नाग अश्विन इसका निर्देशन कर रहे हैं और ये फिल्म 27 जून को सिनेमाघरों में आ रही है। अमेरिका में फिल्म की एडवांस बुकिंग को काफी अच्छा रिस्पॉन्स मिला है। रिपोर्ट्स की मानें तो एडवांस बुकिंग मिलाकर फिल्म 350 करोड़ के करीब की कमाई कर ली है। फिल्म का बजट करीब 600 करोड़ रुपये बताया जा रहा है। फिल्म में प्रभास और दीपिका पादुकोण के अलावा दिशा पाटनी, साश्वत चटर्जी, दुलकर सलमान, अमिताभ बच्चन, ब्रह्मानंदन और कमल हासन जैसे कलाकार मौजूद हैं। देखने वाली बात होगी कि फिल्म बॉक्स ऑफिस पर क्या गुल खिलाती है।

जब कार्तिक आर्यन को मिली पहली फिल्म, तो बिल्कुल भी खुश नहीं थीं मां

कार्तिक आर्यन बॉलीवुड के यंग जनरेशन के पॉपुलर स्टार्स में से एक हैं। उन्होंने बिना किसी गॉडफादर के सिर्फ और सिर्फ अपनी एक्टिंग के दम पर बॉलीवुड में बड़ा मुकाम हासिल किया है। हाल ही में कार्तिक आर्यन, मां माला तिवारी के साथ कपिल शर्मा के 'द ग्रेट इंडियन कपिल शो' में पहुंचे थे। शो में माला तिवारी ने बताया कि जब बेटे कार्तिक को पहली फिल्म 'प्यार का पंचनामा' मिली थी, तो वह अप्सेट हो गई थीं। माला तिवारी ने शो में बताया, 'कार्तिक आर्यन अपने बोर्ड एग्जाम से पहले कोचिंग जाते थे। मैंने टीचर से कहा था कि सर अगर ये ना आए तो मुझे बताना। एक बार क्या हुआ कि कार्तिक कोचिंग के लिए निकले, लेकिन पहुंचे ही नहीं। अगले दिन टीचर ने फोनकर बताया कि ये कोचिंग नहीं आ रहे हैं। एक दिन फिर ये कोचिंग का बोलकर घर से निकले। मैं इन्हें फॉलो करने लगी। मैंने देखा कि कार्तिक कोचिंग ना जाकर अपने दोस्तों के साथ वीडियो गेम खेल रहे हैं। फिर मैं अपने गुस्से पर काबू नहीं रख पाई। अपनी सैंडल उतारकर जमकर पिटाई की थी।'

कार्तिक को फिल्म मिलने पर कैसा था मां का रिएक्शन?

माला तिवारी ने आगे बताया कि जब बेटे कार्तिक आर्यन को पहली फिल्म 'प्यार का पंचनामा' मिली थी, तो उनका क्या रिएक्शन था। एक्टर ने फोन पर बताया कि उन्हें पहली फिल्म मिल गई है। ये सुनकर मां फूट-फूटकर होने लगी थी क्योंकि वह खुश नहीं थीं। माला तिवारी ने कहा, 'मैं चाहती थी कि कार्तिक आर्यन डॉक्टर-इंजीनियर बने।

डेब्यू से खुश नहीं आमिर के बेटे जुनैद खान

बॉलीवुड के मिस्टर परफैक्शनिस्ट आमिर खान के बेटे जुनैद खान फिल्म 'महाराज' से डेब्यू कर चुके हैं। भले ही ये फिल्म ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज हुई हो, लेकिन एक्टिंग की दुनिया में इन्होंने अपना सिक्का जमा लिया है। जुनैद की परफॉर्मेंस को लेकर सोशल मीडिया पर बज बना हुआ है। फैन्स इनके काम से काफी इंप्रेस नजर आ रहे हैं, लेकिन लगता है कि जुनैद अपने ही काम से कुछ खास खुश नहीं हैं। हालांकि, जुनैद फैन्स का शुक्रिया अदा जरूर कर रहे हैं।

जितना प्यार उन्हें डेब्यू पर मिल रहा है, उसके लिए वो काफी अभिभूत हैं। हाल ही में एक इंटरव्यू में जुनैद ने कहा- मेरे पास शब्द नहीं इस बात को बयां करने के लिए कि मैं दर्शकों द्वारा दिया प्यार पाकर कितना खुश हूं। मैं इस समय क्या महसूस कर पा रहा हूं, मेरे पास शब्द नहीं कि मैं उन्हें बयां कर सकूं। मेरे लिए ये फिल्म की जर्नी

काफी लंबी और वाइल्ड रही है। मैंने बहुत मेहनत की है। काफी वजन घटाया है। पर जो होता है अच्छे के लिए होता है। अंत में सब ठीक हो जाता है।

'महाराज' ढेर सारे प्यार के साथ बनाई हुई फिल्म है। इज्जत और पैशन से ये फिल्म बनाई है। मुझे कुशी इस बात की है कि इस फिल्म और मेरी परफॉर्मेंस दोनों ने ही अच्छा रिव्यू पाया है। ऑडियन्स इस फिल्म को पसंद कर रही है। मुझे पता है कि मुझे अभी बहुत आगे तक जाना है और बहुत सारी खामियां मेरे अंदर हैं। मुझे वो ठीक करनी हैं। बहुत इंप्रूवमेंट की जरूरत है। उम्मीद करता हूं कि मुझे कास्ट और क्रू दोनों ही आगे वाले फ्यूचर प्रोजेक्ट्स में सपोर्टिव मिले।

न्यूज ब्रीफ

सीएम नीतीश के बेटे बिहार की सियासत में करेंगे एंट्री?

मुजफ्फरपुर। जनता दल यूनाइटेड की मुजफ्फरपुर इकाई ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से एक बड़ी मांग कर दी है। पार्टी नेताओं की यह मांग पार्टी अध्यक्ष और सीएम नीतीश कुमार की टेंशन बढ़ा सकती है। दरअसल, मुजफ्फरपुर जदयू के नेताओं ने इमलीचट्टी स्थित पार्टी कार्यालय में बैठक की। बैठक की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष अनुपम कुमार ने की। इस बैठक में सर्वसम्मति से प्रस्ताव रखा गया कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के बेटे ई. निशांत कुमार को जदयू में शामिल किया जाना चाहिए। इसके साथ ही, निशांत को पार्टी की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी भी सौंपी जाए। मुजफ्फरपुर जदयू नेताओं का कहना है कि इस निर्णय से बिहार के युवाओं को एक नई राजनीतिक दिशा मिलेगी। उनका कहना है कि बिहार के युवाओं की मांग को देखते हुए हमने पार्टी के आलाधिकारियों से यह मांग की है। नेताओं ने कहा कि बिहार की राजनीति को एक युवा नेतृत्व की दरकार है। ई. निशांत कुमार इस जिम्मेदारी को अच्छे तरीके से निभा सकते हैं। बैठक में लोकसभा में मुजफ्फरपुर से एनडीए उम्मीदवार की जीत की सभी को बधाई दी गई।

हिंदू युवती का आरोप, अरशद ने ढाया सितम

ग्वालियर। गुना ज़िले में 20 साल की युवती से डेढ़ साल तक रेप का मामला सामने आया है। आरोपी ने युवती का वीडियो भी बना लिया। बताया जा रहा है कि आरोपी ने सोशल मीडिया पर भैय्यू नाम बताकर दोस्ती की थी और धमकी देकर कई बार दुष्कर्म किया। आरोप यह भी है कि जब यह खुलासा हुआ कि वो हिंदू नहीं बल्कि मुसलमान है तब उसने मारपीट कर धर्म बदलने का दबाव भी लड़की पर बनाया। डेढ़ साल में इस युवक से परेशान होकर लड़की ने तीन-तीन मकान भी बदले। युवती अब हिंदू जागरण मंच के कार्यकर्ताओं के साथ थाने पहुंची। युवती ने आरोपी के खिलाफ रेप, मारपीट समेत अन्य धाराओं में केस दर्ज कराया है।

अमरीकी गोलीबारी में गई आंध्रप्रदेश के युवक की जान, घर में मचा कोहराम

नई दिल्ली। अमरीकी के अर्कांसस में शुक्रवार को एक किराना स्टोर में हुई गोलीबारी में जिन चार लोगों की मौत हो गई थी उनमें आंध्र प्रदेश का एक 32 वर्षीय युवक भी शामिल है। आंध्र प्रदेश के पीड़ित की पहचान बापटला जिले के मूल निवासी दासारी गोपीकृष्ण के रूप में हुई है। वह आठ महीने पहले ही अमेरिका गया था। वह अर्कांसस के एक छोटे से शहर फोर्डिस में मैड बुचर किराना स्टोर में काम करता था। गत 21 जून को एक बंदूकधारी ने स्टोर में गोलीबारी की जिसमें बिलिंग काउंटर पर मौजूद गोपीकृष्ण को गंभीर चोटें आईं। अगले दिन शनिवार को अस्पताल में उसकी मौत हो गई।

इंदौर में भाजपा नेता की गोली मारकर हत्या

इंदौर। मध्य प्रदेश के आर्थिक शहर इंदौर में भाजपा के युवा नेता और कैबिनेट मंत्री कैलाश विजयवर्गीय के करीबी माने जाने वाले मोनू कल्याणे की शनिवार-रविवार की दरमियानी रात 2 बजे गोली मारकर हत्या कर दी गई है। शहर के एमजी रोड इलाके के चिमनबाग चौराहे पर भाजपा नेता को चारों तरफ से घेरकर उस पर ताबड़तोड़ फायरिंग की गई है। घटना में मोनू कल्याणे की मौके पर ही मौत हो गई।

पानी समस्या को लेकर एलजी से मिले आप नेता, एलजी ने दिलाया भरोसा

एजेंसी । नई दिल्ली

दिल्ली में पानी के लिए मचे हाहाकार के बीच आम आदमी पार्टी के मंत्री और अन्य नेताओं ने दिल्ली के उप राज्यपाल विनय कुमार सक्सेना से मुलाकात की है। इस मुलाकात के बाद दिल्ली सरकार के मंत्री सौरभ भारद्वाज ने कहा कि आप नेताओं ने एलजी को बताया है कि हरियाणा सरकार दिल्ली को उसके हक का पानी नहीं दे रही है और इस पर एलजी ने भरोसा दिया है कि वो हरियाणा सरकार से इस संबंध में बातचीत करेंगे। एलजी के साथ इस हुई इस बैठक के बारे में जानकारी देते हुए सौरभ भारद्वाज ने कहा, 'दिल्ली से एक प्रतिनिधिमंडल ने एलजी साहब से मुलाकात की है। इसमें हमारे राज्यसभा के दो सांसद भी शामिल थे। इसके अलावा हमारे विधायक भी शामिल थे। वहां अच्छे वातावरण में बातचीत हुई है। बातचीत में हमने एलजी साहब से निवेदन किया है कि आप हरियाणा सरकार से बातचीत करें। हरियाणा अभी भी करीब 113 एमजीडी पानी दिल्ली में कम छोड़ रहा है। जिसकी वजह से लाखों लोगों को परेशानी हो रही है। एलजी ने हमें आश्वासन दिया है कि वो हरियाणा सरकार से बातचीत करेंगे और प्रयास करेंगे कि दिल्ली को उसके हक का पानी मिल सके।' सौरभ भारद्वाज ने आगे बताया, 'हमने एलजी साहब से यह कहा कि अब तो एक हफ्ते में बारिश आने वाली है। बारिश के बाद तो इतना पानी आ जाएगा कि हरियाणा चाह कर भी रोक नहीं कर पाएगा। तो इस एक हफ्ते की बात है तो हमने इस एक हफ्ते के लिए निवेदन किया है कि वो हरियाणा से बात करें।'

क्या बोले AAP नेता सोमनाथ भारती ?

इस मुलाकात के बाद AAP नेता सोमनाथ भारती ने मीडिया के सामने कहा, 'हमने अपनी बातें रखीं। एलजी साहब ने हमारी बातों को बहुत ही ध्यानपूर्वक सुना और आश्वासन भी दिया। हमने एलजी को कागजातों के जरिए यह तथ्य दिखाया कि दिल्ली को 113 एमजीजी पानी हरियाणा से कम आया है। इस बात का उन्होंने संज्ञान लिया और वादा किया कि वो हरियाणा सरकार से बात करेंगे ताकि पानी की समस्या का समाधान हो।' सोमनाथ भारती ने बताया कि इसके अलावा दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली में पानी की समस्या को खत्म करने के लिए भविष्य में जो योजना बनाई है उस पर भी एलजी से चर्चा की गई। इसमें यमुना के तट के पास बारिश का पानी स्टोर करने का विषय भी शामिल है। 22 किलोमीटर के यमुना तट के पास पानी के स्टोर करने की व्यवस्था अगर हो जाए तो दिल्ली में पानी की समस्या का समाधान हमेशा के लिए हो जाएगा। सोमनाथ भारती ने कहा कि इस बात पर भी एलजी से चर्चा हुई कि पानी को कहां-कहां रोका जा रहा है।

मीटिंग से पहले एलजी पर निशाना

AAP नेताओं की एलजी से इस मुलाकात से पहले सौरभ भारद्वाज ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में एलजी पर जमकर निशाना भी साधा था। सौरभ भारद्वाज ने कहा था कि कुछ दिनों पहले मैं और जल मंत्री आतिशी ने एलजी साहब से मुलाकात की थी। तब उन्होंने पूरी मीटिंग को रिकॉर्ड किया था। अगर एलजी साहब उस वीडियो को दिखा देंगे तो पूरे देश को पता चल जाएगा कि दिल्ली के लिए कौन काम कर रहा है। सौरभ भारद्वाज ने कहा था कि उप राज्यपाल को BJP के सांसदों और अधिकारियों की बातचीत और बैठकों की वीडियो को भी सार्वजनिक करना चाहिये।

राजौरी गार्डन हत्याकांड मामला

जम्मू स्टेशन में नजर आई लेडी डॉन, CCTV कैमरे में कैद

एजेंसी । नई दिल्ली

दिल्ली के राजौरी गार्डन हत्याकांड मामले में फरार चल रही लेडी डॉन अन्नू का एक सीसीटीवी फुटेज वायरल हो रहा है। लेडी डॉन जम्मू के कटरा रेलवे स्टेशन में नजर आई। जिसके बाद सुरक्षाबल अलर्ट मोड में आ गए हैं। सीसीटीवी कैमरे में लेडी डॉन अन्नू ट्रॉली बैग के साथ दिख रही है, जो जल्दबाजी में ट्रेन में सवार हुई। पुलिस ने बताया, अन्नू मुंबई जाने वाली ट्रेन में सवार हुई।

गैंगस्टर हिमांशु भाऊ की करीबी बताई जा रही है लेडी डॉन अन्नू

जम्मू रेलवे स्टेशन में सीसीटीवी कैमरे में कैद हुई लेडी डॉन अन्नू के बारे में बताया जा रहा है कि वह गैंगस्टर हिमांशु भाऊ की काफी करीबी है। पुलिस के अनुसार हनी ट्रैप के जरिए अन्नू ने मृतक को अपनी जाल में फंसाया था।

'बर्गर किंग' रेस्तरां में एक व्यक्ति की गोलीमार कर दी गई थी हत्या

राजौरी गार्डन के जे ब्लॉक में स्थित 'बर्गर किंग' रेस्तरां पर मंगलवार 19 जून को देर शाम दो लोगों ने एक व्यक्ति की गोली मारकर हत्या कर दी थी। बर्गर किंग रेस्तरां में हुए हत्याकांड के कुछ घंटों बाद सोशल मीडिया पर एक पोस्ट सामने आया जिसमें विदेशी गैंगस्टर हिमांशु भाऊ ने इस हमले की जिम्मेदारी ली। हत्या के बाद मृतक का मोबाइल फोन गायब है और कोई अन्य पहचान पत्र भी बरामद नहीं हुआ है। उसकी जेब से बस का एक टिकट, फोन चार्जर और एक गमछा बरामद हुआ।

सीसीटीवी फुटेज बरामद : पुलिस ने घटनास्थल से सीसीटीवी फुटेज बरामद कर ली है। वीडियो में व्यक्ति रेस्तरां में प्रवेश करते हुए नजर आ रहा है और वहां पहले से ही बैठी एक महिला उसका इंतजार कर रही है। अधिकारी ने बताया कि उसके रेस्तरां में बैठने के कुछ ही मिनट बाद दो लोग वहां आए और उसपर गोलियां बरसा दीं। उन्होंने करीब 40 राउंड गोलियां चलाईं, जिससे शख्स की मौके पर ही मौत हो गयी। इसके बाद हमलावर मौके से फरार हो गए। घटना के बाद वहां बैठी महिला भी मौके से भाग गई। गैंगस्टर हिमांशु भाऊ ने अपने पोस्ट में कहा गया कि उसने 'शाकी दादा' की हत्या का बदला ले लिया, जिन्हें कथित तौर पर उनके प्रतिद्वंद्वी गिरोह ने मार डाला था।

NEET-PG स्थगित करने पर DMK ने केंद्र को घेरा

कहा- 50 लाख लोग प्रभावित, पीएम ने एक शब्द भी नहीं बोला

एजेंसी । चेन्नई

नीट-पीजी परीक्षा स्थगित करने पर डीएमके ने रविवार को केंद्र सरकार की अलोचना की। पार्टी प्रवक्ता सरवनन अन्नादुरई ने कहा कि इससे लगभग 50 लाख लोग प्रभावित हुए हैं। मगर प्रधानमंत्री ने एक भी शब्द नहीं बोला है। अन्नादुरई ने कहा, 'भाजपा सरकार अक्षम है। यह संगठित गिरोहों को पेपर लीक करने की अनुमति दे रही है। चार उच्च गुणवत्ता वाली परीक्षाओं को रद्द कर दिया गया है। भाजपा की घोर आपराधिक लापरवाही से लगभग 50 लाख छात्र प्रभावित हुए हैं। प्रधानमंत्री ने एक भी शब्द नहीं बोला है।'

शनिवार को स्थगित की गई थी परीक्षा

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने शनिवार को नीट पीजी परीक्षा को स्थगित किया था। यह परीक्षा 23 जून यानी रविवार को आयोजित होनी थी। मंत्रालय का कहना है कि जल्द ही नई तारीखों का एलान किया जाएगा।

विद्यार्थियों ने फैसले की अलोचना की

इस बीच छात्रों ने सरकार के फैसले की अलोचना की। नीट पीजी की एक अभ्यर्थी सुनंदा पंसारी ने कहा, 'यह बहुत गलत है। मैंने परीक्षा के लिए 600 किलोमीटर की यात्रा की। छात्रा दीक्षा ने कहा कि जो कुछ भी हो रहा है, वह बहुत अजीब है। हर जगह नकल चल रही है और अनुशासन का नामोनिशान नहीं है।

NTA को भंग करने की मांग

परीक्षा में अनियमितताओं को लेकर राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (NTA) को अलोचनाओं का सामना करना पड़ रहा है। इसी एजेंसी ने नीट यूजी की परीक्षा भी आयोजित की थी। देशभर में इस मुद्दे पर कई विरोध प्रदर्शन भी हो चुके हैं। प्रदर्शनकारियों और राजनीतिक दलों ने एनटीए को भंग करने की मांग की है।

NEET PG स्थगित : छात्रों ने सोशल मीडिया पर शेयर किया दर्द

'सारी मेहनत बेकार गई...'

एजेंसी । नई दिल्ली

देश में परीक्षाएं सुर्खियों में हैं। पहले NEET UG में कथित पेपर लीक मामले, UGC-NET को रद्द करने और CSIR-NET को स्थगित करने जैसे कई परीक्षा-संबंधी मुद्दों पर कोहराम मचा हुआ है। इस बीच केंद्र के NEET PG परीक्षा को अचानक स्थगित करने के फैसले ने छात्रों की परेशानी और बढ़ा दी है। महीनों तक परीक्षा की तैयारी करने के बाद परीक्षा की पूर्व संध्या पर उन्हें सूचित किया गया कि परीक्षा स्थगित कर दी गई है, जिससे वे बेहद निराश हैं। शिक्षा मंत्रालय ने अपने ऑर्डर में कहा है कि देश में प्रतियोगी परीक्षाओं की सत्यनिष्ठा पर हाल ही में लगे आरोपों को देखते हुए सतर्क रहने के लिए परीक्षाओं को स्थगित करने का निर्णय लिया गया है। मंत्रालय ने कहा कि परीक्षा की नई तारीख जल्द ही घोषित की जाएगी। NEET PG परीक्षा स्थगित होने की खबर परीक्षा से एक दिन पहले देर शाम आई। तब तक अधिकांश छात्र पहले ही अपने आवंटित परीक्षा शहरों में पहुंच चुके थे। कुछ छात्रों के बीच आदेश की प्रामाणिकता को लेकर असमंजस की स्थिति भी थी। बाद में खबर की पुष्टि होने के बाद मेडिकल उम्मीदवारों को हैरानी हुई।

परीक्षा को अंतिम समय में रद्द करना बहुत दुखद

छात्रों, अभिभावकों और विशेषज्ञों ने अपनी भावनाओं को व्यक्त करने के लिए सोशल मीडिया का सहारा लिया। कई लोगों ने X पर अपनी राय रखी है। डॉ. तन्मय मोतीवाला नाम की एक यूजर ने अपनी एक जूनियर के बारे में बताया, जो एक मां भी है, अपने बच्चे और परिवार के साथ परीक्षा के लिए 200 किलोमीटर की दूरी तय करके आई थी, लेकिन सारी मेहनत बेकार चली गई। एक अन्य यूजर डॉ. इशिका डोगरा ने बताया कि वह और उनकी बहन परीक्षा केंद्र तक पहुंचने के लिए 200 किलोमीटर से अधिक की यात्रा कर चुकी थीं। उन्हें सिर्फ 9 घंटे पहले पता चला कि परीक्षा स्थगित कर दी गई है। FAIMA डॉक्टर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष डॉ. रोहन कृष्णन ने शनिवार रात को अपलोड किए गए एक वीडियो संदेश में कहा कि NEET-PG परीक्षा को अंतिम समय में रद्द करना बहुत दुखद है। उन्होंने कहा कि सभी उम्मीदवार विभिन्न शहरों में अपने परीक्षा केंद्रों पर पहुंच चुके थे। उन्होंने कहा, 'मुझे उम्मीद है कि एजेंसी के पास इस परीक्षा को स्थगित करने के ठोस कारण होंगे और उन्हें तुरंत जवाब देना चाहिए।'

'पुलिस-प्रशासन सब मेरा है, कोई कुछ नहीं बिगाड़ सकता'

पत्नी को करंट लगाकर यातनाएं देता है होमगार्ड, राज खुलने के बाद सबके उड़े होश

एजेंसी । असंध (करनाल)

गांव पगाला निवासी महिला ने अपने होमगार्ड पति पर शराब पीकर मारपीट करने व करंट लगाने का आरोप लगाया है। मारपीट की शिकायत महिला ने अपने स्वजन से की तो वह उसे लेने पहुंच गए। पति ने अपने स्वजन के साथ मिलकर महिला के स्वजन पर लाठी-डंडों से हमला करने के साथ ईंटें बरसाकर उन्हें घायल कर दिया। होमगार्ड पति कहता है कि पुलिस और प्रशासन सब उसका है। कोई कुछ नहीं बिगाड़ सकता। महिला की शिकायत पर असंध थाना पुलिस ने केस दर्ज किया है। गांव पगाला निवासी पूनम ने बताया कि उसकी शादी सीनू कुमार से वर्ष 2019 में हुई थी। शादी के बाद उन्हें दो बच्चे पैदा हुए। पति होमगार्ड है। आरोप है कि पति शराब पीकर उसके साथ रोजाना मारपीट करता है। बिजली का करंट लगाता है।

महिला के स्वजनों पर किया हमला

बीते पांच साल से वह पति की यातनाएं झेल रही है। अब शुक्रवार का रात को पति शराब के नशे में घर पहुंचा और मारपीट के बाद पति ने बाल पकड़कर उसे घर से निकाल दिया। महिला ने अपने स्वजन को सूचना दी। शनिवार को महिला के स्वजन उसे लेने पहुंचे। तब पति व उसके स्वजन अखिल, निखिल, अनारकली, तेजू, सोनू, रजत व बला ने लाठी-डंडों व तेजधार हथियारों से उसके स्वजन पर हमला कर दिया।

आरोपितों के खिलाफ मामला दर्ज

इसके बाद छत से ईंटें बरसाई गई। जिसमें उसके सभी स्वजन घायल हो गए। आसपास के लोगों ने उसे बचाया और अस्पताल में भर्ती कराया। महिला ने बताया कि पति के अन्य महिला के साथ अवैध संबंध भी हैं। महिला की शिकायत पर असंध थाना पुलिस ने आरोपितों के खिलाफ संबंधित धाराओं में केस दर्ज किया है।

हरियाणा ने हथिनीकुंड बैराज के गेट बंद कर रोका दिल्ली के हिस्से का पानी

तीसरे भूख हड़ताल पर बैठीं आतिशी का आरोप

एजेंसी । नई दिल्ली

दिल्ली की जल मंत्री आतिशी ने रविवार को आरोप लगाया कि हरियाणा ने हथिनी कुंड बैराज के सभी गेट बंद कर दिए हैं, जिससे दिल्ली को उसके हिस्से का पानी नहीं मिल पा रहा है। उन्होंने कहा कि वह इस मुद्दे पर अपनी अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल जारी रखेंगी। उन्होंने कहा कि यमुना नदी पर बैराज के गेट बंद होने से राष्ट्रीय राजधानी में पानी की कमी हो गई है।

AAP ने एक्स पर किया पोस्ट

आम आदमी पार्टी ने एक्स पर पोस्ट किया, जिसमें लिखा कि दिल्ली के हक के पानी के लिए अनिश्चितकालीन अनशन पर बैठीं जल मंत्री आतिशी ने अनशन के तीसरे दिन दिल्ली वालों के लिए संदेश जारी किया। उन्होंने कहा कि हरियाणा के हथिनी कुंड में पानी भरा हुआ है, लेकिन हरियाणा सरकार ने दिल्ली को पानी छोड़ने वाले गेट बंद कर दिए हैं।

तब तक नहीं खत्म होगा सत्याग्रह

दिल्ली के हक के पानी पर हरियाणा सरकार ने ताला लगाया है, जब तक दिल्ली की जनता को उनके हक का पानी नहीं मिल जाता, तब तक 'पानी सत्याग्रह' जारी रहेगा।

भूख हड़ताल का तीसरा दिन

भीषण गर्मी में जलसंकट पर हरियाणा से दिल्ली के लिए उसके हिस्से का पानी छोड़ने की मांग को लेकर आतिशी भूख हड़ताल पर बैठी हुई हैं। रविवार को भूख हड़ताल का उनका तीसरा दिन है। डॉक्टरों ने आतिशी को अनशन खत्म करने की सलाह दी है।

वैष्णो देवी जाने वालों के लिए खुशखबरी

दिल्ली से कटरा के बीच दौड़ेगी एक और वंदे भारत ट्रेन

एजेंसी । नई दिल्ली

वैष्णो देवी मंदिर की यात्रा करने वालों के लिए बड़ी खुशखबरी है। भारतीय रेलवे तीर्थयात्रियों के लिए दिल्ली और कटरा के बीच एक और वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन शुरू करने की तैयारी में है। मीडिया रिपोर्ट में रेलवे अधिकारी के हवाले से बताया गया कि यह ट्रेन 200 किमी प्रति घंटे की रफ्तार भर सकती है। ऐसे में दोनों स्टेशनों के बीच लगने वाला यात्रा समय 4 घंटे तक कम हो जाएगा। फिलहाल, सुपरफास्ट ट्रेन के जरिए दिल्ली से कटरा जाने में लगभग 12 घंटे लगते हैं। रेलवे अधिकारी ने बताया कि इस रूट पर बड़ी संख्या में यात्रियों की आवाजाही होती है। इसी बात को ध्यान में रखकर यह फैसला लिया गया है। वैष्णो देवी मंदिर के कारण भारी संख्या में लोग यहां आते हैं। मालूम हो कि पहली वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन दिल्ली-वाराणसी मार्ग पर शुरू की गई थी। इसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हरी झंडी दिखाई थी और यह सप्ताह में 5 दिन चलती है। इसके बाद से तो वंदे भारत ट्रेनों का जाल देशभर में फैलाया जा रहा है। देश के अलग-अलग शहरों को वंदे भारत ट्रेनों से जोड़ने की कोशिश है।

नई वंदे भारत 8 घंटे में तय कर लेगी दूरी

बता दें कि नई दिल्ली-कटरा रूट पर चलने वाली हाई-स्पीड नई वंदे भारत 8 घंटे के भीतर दूरी तय कर लेगी। सूत्रों की मानें तो इस रूट पर नए ट्रेन सेट का आवागमन अगले महीने से शुरू हो सकता है। कहा जा रहा है कि शुरुआत में यह ट्रेन सप्ताह में केवल तीन दिन (सोमवार, गुरुवार और शनिवार) को चलेगी। अगर टाइमिंग की बात करें तो नई वंदे भारत एक्सप्रेस सुबह 6 बजे दिल्ली से रवाना होगी और दोपहर 2 बजे कटरा पहुंच जाएगी। वापसी के दौरान यह नई वंदे भारत एक्सप्रेस दोपहर 3 बजे कटरा से रवाना होगी और रात 11 बजे दिल्ली पहुंचेगी। फिलहाल, दिल्ली-कटरा रूट पर ट्रेन अधिकतम 130 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से भर्राटा भरेगी। अगर स्टॉपेज के बारे में बताएं तो दिल्ली से कटरा तक अपनी यात्रा में नई वंदे भारत ट्रेन अंबाला, लुधियाना और जम्मू तवी में रुकेगी।

सुप्रीम कोर्ट पहुंचे दिल्ली के CM अरविंद केजरीवाल

दिल्ली HC ने जमानत पर लगाई थी रोक

एजेंसी । नई दिल्ली

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली हाई कोर्ट द्वारा उनकी जमानत पर रोक लगाने के खिलाफ अब सुप्रीम कोर्ट का रुख किया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, शराब घोटाले में आरोपी अरविंद केजरीवाल ने जमानत पर रोक लगाए जाने के बाद देश की सबसे बड़ी अदालत में अपनी याचिका लगाई है। रिपोर्ट के मुताबिक, सीएम अरविंद केजरीवाल के वकीलों ने अदालत से गुहार लगाई है कि वो सोमवार को इस मामले में सुनवाई करे। बताया जा रहा है कि इस याचिका में केजरीवाल की तरफ से कहा गया है कि दिल्ली हाई कोर्ट ने जिस तरह से

उनकी जमानत पर स्टे लगाया है वो कानून के निर्देशों के विपरित है और यह बुनियादी मौलिक सीमा का उल्लंघन भी है। याचिका में यह भी कहा गया है कि हाई कोर्ट द्वारा जमानत पर स्टे लगाने से याचिकाकर्ता को दुख पहुंचा है लिहाजा कोर्ट के इस आदेश को एक पल के लिए भी जारी नहीं रखा जाना चाहिए।